सोशल मीडिया से जुड़ें
Parivehan_Vishesh
YouTube

Title Code : DELHIN28985.
DCP Licensing Number :
F.2 (P-2) Press/2023

www.parivahanvishesh.com

परिवहन विशेष

देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

वर्ष 01, अंक 172, नई दिल्ली | सोमवार, 04 सितम्बर 2023, मूल्य ₹ 5, पेज 8

आज का सुविचार

बड़ी बड़ी बातें करने वाले
बातों में ही रह जाते है और
हलके से मुस्कुराने वाले
बहुत कुछ कह जाते है।

नोएडा में बनेगा नया हाईवे, दिल्ली और गाजियाबाद की जेवर एयरपोर्ट से कनेक्टिविटी बढ़ेगी

उत्तर प्रदेश के गौतमबुद्ध नगर जिले में बनाए जा रहे देश के सबसे बड़े इंटरनेशनल एयरपोर्ट को एनसीआर के बाकी इलाकों से भी सीधे कनेक्ट करने तैयारी चल रही है. फरीदाबाद के सेक्टर 65 से नोएडा एयरपोर्ट तक ग्रीन हाईवे बनेगा।

संजय बाटला, संपादक

नई दिल्ली। राज्य के सबसे बड़े औद्योगिक शहर गौतमबुद्ध नगर में देश का सबसे बड़ा हाईवे जल्द ही बनकर तैयार होगा. इसके लिए योगी सरकार ने 50 करोड़ रुपये जारी कर दिये हैं. इसी तरह फरीदाबाद को जेवर एयरपोर्ट से कनेक्ट करने के लिए भी एक बड़े हाईवे का निर्माण चल रहा है. उत्तर प्रदेश के गौतमबुद्ध नगर जिले स्थित जेवर में बनाए जा रहे देश के सबसे बड़े इंटरनेशनल एयरपोर्ट को एनसीआर (Delhi, Noida Ghaziabad Faridabad) के बाकी इलाकों से भी सीधे कनेक्ट करने तैयारी चल रही है. इसी कड़ी में फरीदाबाद को जेवर एयरपोर्ट (Jewar Airport) से जोड़ने के लिए ग्रीन हाईवे (Green Highway) का निर्माण किया जा रहा है. इसका हाईवे का काम बल्लभगढ़ से शुरू भी कर दिया गया है. मिली जानकारी के मुताबिक उत्तर प्रदेश सरकार (UP Government) ने इसके लिए 50 करोड़ रुपये भी आवंटित कर दिया है.=

फरीदाबाद के सेक्टर 65 से नोएडा एयरपोर्ट तक ग्रीन हाईवे बनेगा. यह 6 लेन का होगा. सेक्टर 65 में पिलर बनाने के लिए पाइलिंग का काम शुरू कर दिया गया है. इसे दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे (Delhi-Mumbai Expressway) की लिंक रोड, केजीपी और यूपी में यमुना में एक्सप्रेसवे होता हुआ एयरपोर्ट पहुंचेगा. इस दौरान यह 12 गावों के बीच से निकलेगा. इसके अलावा यह सेक्टर 117, 118, 122, 123 से होकर भी गुजरेगा. मिली जानकारी के मुताबिक, इसके लिए जमीन अधिग्रहण का काम पूरा किया जा चुका है. इसके निर्माण के लिए टेंडर एक साल पहले ही जारी हो गया था. हालांकि, अभी इसका काम सुस्त चल रहा है.

अब जब यूपी सरकार (UP Government) की ओर से 50 करोड़ रुपये का बजट इसके लिए आवंटित कर दिया गया है. ऐसे में माना जा रहा है कि इसका काम तेजी से शुरू हो जाएगा. बताया जा रहा है कि इसमें एलिवेटेड हिस्सा भी होगा जिसके लिए गर्डर व स्लैब की प्रीकास्टिंग का काम चल रहा है. उल्लेखनीय है कि हरियाणा (Haryana) में लगभग 8 किलोमीटर का हिस्सा एलिवेटेड होगा. इसके दोनों ओर सर्विस रोड बनाई जाएगी. यह प्रस्ताव अंतिम मंजूरी के लिए सरकार के पास भेजा गया है. अनुमति मिलने के बाद एलिवेटेड रोड का भी काम गति पकड़ लेगा.

यह पूरा ग्रीन हाईवे (Green highway)31 किलोमीटर लंबा होगा. इसमें केवल 7 किलोमीटर का हिस्सा यूपी (UP news) की सीमा में और 24 किलोमीटर का हरियाणा में होगा. 24 में से 8 किलोमीटर की रोड एलिवेडेट होगी. NHAI के DGM एसके बंसल ने कहा है कि आगामी दिनों में काम को और गति दी जाएगी.

जेवर में बन रहे इस एयरपोर्ट का नाम फिलहाल नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट (Noida International Airport) रखा गया है. यदि सबकुछ तय योजना के मुताबिक हुआ तो मार्च 2024 में इसका उद्घाटन कर दिया जाएगा. यह एयरपोर्ट इंदिरा गांधी अतंरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (Indira Gandhi International Airport) के विकल्प के रूप में भी काम करेगा. एयरपोर्ट की लागत करीब 30,000 करोड़ रुपये है. इस पर 4 टर्मिनल और 6 रनवे बनाए गए हैं. एयरपोर्ट का कुल एरिया 1334 हेक्टेयर है. इसका निर्माण टाटा प्रोजेक्ट्स द्वारा किया जा रहा है. यह भारत का सबसे बड़ा एयरपोर्ट होगा।

advertisement Tariff
w.ef. 1st January 2023

परिवहन विशेष
दिल्ली, एनसीआर से प्रसारित लोकप्रिय साप्ताहिक हिन्दी समाचार पत्र

in Rs. / Sq. Cm.

Delhi Aur Delhi	Basic	3rd Page	Back Page	Front Page Semi Solus	Fornt Page Solus
	BW - Colour	Colour	Colour	Colour	Colour
Delhi	100*	200*	250*	300	300

Special Instructions:-

- Innovation on any page will be accepted at a premium of 100% on applicable card rate.
- Any specified position will be accepted at a premium of 25% on applicable card rate.
- B/W advertisement on page 3/Back will charged at colour rate.
- Classified display advertisement will be charged on basic display rate.
- Pointers 4x4 sq. C. or 5x4 sq. cm. will be charged as per card rate.
- box reply charges (each box) will be charged Rs. 150/-
- Political advertisement - as applicable.

परिवहन विशेष में विज्ञापन के लिए ऑनलाईन भुगतान सीधे बैंक खाते/फ़ोन पे पर कर सकते हैं और विज्ञापन के मैटर के साथ ऑनलाईन भुगतान की रसीद व्हाट्सऐप नंबर 09212122095 या newstransportvishesh@gmail.com पर भेज सकते है। भुगतान करने के लिए *NEFT / IMPS / RTGS*
Account Name:-Transport Vishesh Limited
IFSC CODE :- INDB0001396
Cur Account no :- 259212122095
या Phone pay :- 9212122095

प्रगति मैदान के पास पटरी से उतरी लोकल ट्रेन

पलवल से आ रही थी नई दिल्ली

राजधानी दिल्ली में प्रगति मैदान केपास एक लोकल ट्रेन पटरी से उतर गई। ट्रेन में सवारी थीं। राहत की बात ये रही कि किसी तरह की जान का नुकसान नहीं हुआ।

नई दिल्ली। देश की राजधानी दिल्ली में बड़ा ट्रेन हादसा होने से टल गया है। दिल्ली में प्रगति मैदान के पास एक लोकल ट्रेन पटरी से उतर गई। ट्रेन में यात्री सवार थे। गमीनत यह रही कि किसी तरह की जानहानि नहीं हुई है। फिलहाल मामले की जांच की जा रही है।

जानकारी के अनुसार, ट्रेन पलवल से नई दिल्ली के लिए चली थी। जैसी ही ट्रेन प्रगति मैदान के नजदीक लोकल ट्रेन पटरी से उतर गई। ट्रेन में सवारी थीं। राहत की बात ये रही कि किसी तरह की जान का नुकसान नहीं हुआ।

इससे पहले, ओडिशा के बालेश्वर के बाहनगा में दो जून 2023 को बेंगलुरु-हावड़ा सुपरफास्ट एक्सप्रेस, शालीमार-चेन्नई सेंट्रल कोरोमंडल एक्सप्रेस और एक मालगाड़ी के बीच ट्रेन दुर्घटना हुई थी। हादसे में 230 से ज्यादा लोग मारे गए थे। वहीं 900 से अधिक घायल हुए थे। यह दर्दनाक ट्रेन दुर्घटना भारत में आजादी के बाद से अबतक की सबसे घातक दुर्घटनाओं में से एक थी।

जी-20 शिखर सम्मेलन: नौ- दस सितंबर को दिल्ली जाएं तो पहले कर लें जानकारी, नहीं तो परेशानी को रहें तैयार

परिवहन विशेष न्यूज

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में 09 एवं 10 सितंबर को जी-20 शिखर सम्मेलन का आयोजन प्रस्तावित है। भारत इस शिखर सम्मेलन की मेजबानी कर रहा है, जिसमें अमेरिका, ब्रिटेन, चीन, जापान समेत कई देशों के राष्ट्रध्यक्ष भाग लेंगे। दिल्ली में उनका आगमन आठ सितंबर से शुरू हो जाएगा।

नई दिल्ली/अलीगढ़। अगर आप अलीगढ़ से सात सितंबर से दस सितंबर तक किसी काम से दिल्ली जा रहे हैं तो जानकारी कर लें कि जहां आपको जाना है वहां का रास्ता तो बंद नहीं है। कहीं ऐसा न हो कि आपको वहां पहुंचने में परेशानी उठानी पड़े और वापस भी घर आना पड़े। हालांकि प्रयागराज मंडल के रेलवे अफसरों ने साफ कर दिया है कि सम्मेलन के आयोजन के दौरान दिल्ली-हावड़ा रेलवे ट्रैक पर ट्रेनों का बिना किसी फेरबदल किए ही नियमित संचालन किया जाएगा।

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में 09 एवं 10 सितंबर को जी-20 शिखर सम्मेलन का आयोजन प्रस्तावित है। भारत इस शिखर सम्मेलन की मेजबानी कर रहा है, जिसमें अमेरिका, ब्रिटेन, चीन, जापान समेत कई देशों के राष्ट्रध्यक्ष भाग लेंगे। दिल्ली में उनका आगमन आठ सितंबर से शुरू हो जाएगा। यही वजह है कि केंद्र और दिल्ली सरकार ने सम्मेलन एवं राष्ट्रध्यक्षों की सुरक्षा को दृष्टिगत रखते हुए सभी सरकारी और निजी कार्यालयों के साथ ही स्कूल-कॉलेजों को आठ से दस सितंबर तक बंद रखने का निर्णय लिया है।

बकायदा दिल्ली यातायात पुलिस ने इसको लेकर एक एडवाइजरी भी जारी की है। जिसमें बताया गया है कि जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान दिल्ली में कौन से मार्ग बंद रहेंगे, मेट्रो की स्थिति क्या रहेगी, बसें कहां पर खड़ी होंगी, सरकारी एवं निजी कार्यालयों को बंद करने के लिए क्या आदेश जारी हुए हैं ? इसे जी-20 ट्रैफिक वर्चुअल हेल्प डेस्क लिंक बटन के माध्यम से दिल्ली पुलिस और दिल्ली यातायात पुलिस की वेबसाइटों पर भी अपलोड किया गया है। हालांकि दिल्ली पुलिस ने यह भी साफ किया है कि नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) क्षेत्र के अधिकार क्षेत्र के बाहर, राष्ट्रीय राजमार्ग 48 (एनएच -48) को छोड़कर, सामान्य यातायात अप्रभावित रहेगा। नई दिल्ली समेत पूरी दिल्ली में सभी मेडिकल दुकानें, किराने की दुकानें, दूध के बूथ, सब्जी / फल की दुकानें खुली रहेंगी।

सरकारी कर्मचारियों, मीडिया कर्मियों, मेडिकल प्रैक्टिशनर्स और पैरा-मेडिक्स को नियंत्रित क्षेत्र में अपने निजी वाहनों के साथ-साथ सरकारी वाहनों का उपयोग करने की अनुमति होगी। यातायात पुलिस के मुताबिक, हवाई अड्डे, रेलवे स्टेशनों, आईएसबीटी तक यात्रियों की आवाजाही को सुविधाजनक बनाया जाएगा, क्योंकि यह सभी सुविधाएं जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान भी यथावत रहेंगी। स्थानीय निवासियों और अधिकृत वाहनों को नई दिल्ली जिले के भीतर जाने की अनुमति दी जाएगी। यात्रियों को मेट्रो सेवाओं का अधिकतम उपयोग करने का सुझाव दिया गया है। क्योंकि दिल्ली के सभी मेट्रो स्टेशनों पर यात्रियों के लिए मेट्रो सेवाएं उपलब्ध रहेंगी।

दिल्ली-हावड़ा रूट की ट्रेनें नहीं होंगी प्रभावित

अलीगढ़ स्टेशन से रोजाना करीब 25 हजार यात्री अलीगढ़- दिल्ली के बीच सफर करते हैं। दिल्ली में होने

जा रहे जी-20 शिखर सम्मेलन को लेकर रेल गाड़ियों का नियमित संचालन जारी रहेगा। अभी तक ट्रेनों को स्थगित रखने, मार्ग परिवर्तित करने आदि को लेकर किसी तरह का प्रस्ताव नहीं मांगा गया है। यदि रेल गाड़ियों के संचालन में किसी तरह का बदलाव प्रस्तावित होगा तो इसकी समय रहते यात्रियों को सूचना उपलब्ध करायी जाएगी।

- हिमांशु शेखर उपाध्याय, जनसंपर्क अधिकारी, उत्तर मध्य रेलवे

यहां से लें विस्तृत जानकारी

किसी भी जानकारी के लिए जी-20 ट्रैफिक वर्चुअल हेल्पडेस्क
https://traffic.delhipolice.gov.in/dtpg20info

दिल्ली यातायात पुलिस की वेबसाइट
https://traffic.delhipolice.gov.in

फेसबुक पेज
https://www.facebook.com/dtptraffic

ट्विटर हैंडल
https://twitter.com/dtptraffic

इंस्टाग्राम पेज
https://www.instagram.com/dtptraffic

व्हाट्सएप नंबर 8750871493 एवं हेल्पलाइन नंबर 1095 / 011-25844444,

दिल्ली पुलिस की आधिकारिक वेबसाइट - https://delhipolice.gov.in

खास बातें

-सात सितंबर से दस सितंबर तक यदि संभव हो तो दिल्ली जाने से बचें, सत्यापन के बाद ही आवागमन की अनुमति दी जाएगी

-स्थानीय निवासियों, अधिकृत वाहनों और उपरोक्त आवश्यक सेवा प्रदाताओं को अपनी पहचान साबित करने के लिए आवश्यक दस्तावेज साथ में रखने होंगे

-नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) क्षेत्र के अधिकार क्षेत्र के बाहर, राष्ट्रीय राजमार्ग 48 रहेगा बंद

-सुप्रीम कोर्ट मेट्रो स्टेशन पर नौ सितंबर को सुबह पांच बजे से 10 सितंबर की रात 11 बजे तक चढ़ने/उतरने की अनुमति नहीं होगी

-यात्रियों को मेट्रो सेवाओं का अधिकतम उपयोग करने का सुझाव

-नई दिल्ली क्षेत्र में सिटी बस सेवा उपलब्ध नहीं होगी

-नई दिल्ली जिले में किसी भी टीएसआर और टैक्सी को प्रवेश करने या चलने की अनुमति नहीं

-सार्वजनिक परिवहन कार्यक्रम और किसी भी अस्थायी परिवर्तन के बारे में आधिकारिक घोषणाओं के साथ अपडेट रहने की सलाह

जाम से बचने के लिए फुटओवर ब्रिज पर चढ़ाया ऑटो, दो गिरफ्तार

परिवहन विशेष न्यूज

रविवार को वायरल वीडियो में ऑटोचालक फुटओवर ब्रिज पर ऑटो चढ़ाता दिख रहा है। वीडियो दिल्ली के हमदर्द नगर लाल बत्ती के पास संगम विहार ट्रैफिक सर्किल की बताया जा रहा है।

नई दिल्ली।

जी-20 शिखर सम्मेलन के लिए युद्धस्तर पर से तैयारियां चल रही हैं। इस वजह से कई मार्गों पर जाम लग जाता है। रविवार को एक ऑटो चालक जाम से बचने के लिए फुटओवर ब्रिज पर ऑटो चढ़ा दिया। पुलिस ने इस मामले में दो को गिरफ्तार किया है।

रविवार को वायरल वीडियो में ऑटोचालक फुटओवर ब्रिज पर ऑटो चढ़ाता दिख रहा है। वीडियो दिल्ली के हमदर्द नगर लाल बत्ती के पास संगम विहार ट्रैफिक सर्किल की बताया जा रहा है। इसमें दिख रहा है कि ऑटो को एक शख्स धक्का भी दे रहा है।

मिली जानकारी के अनुसार एमबी रोड पर काफी देर तक जाम लगने के बाद भी जब ऑटो नहीं निकल पाया तो उसने निकलने के लिए ऑटो को फुटओवर ब्रिज पर ही चढ़ा दिया। इसी बीच लोग फुटओवर ब्रिज से आवाजाही करते नजर आ रहे हैं।

इस मामले में दक्षिणी दिल्ली के पुलिस उपायुक्त चंदन चौधरी ने बताया कि ऑटो चालक व धक्का लगाने वाले आरोपियों को गिरफ्तार कर ऑटो को जब्त कर लिया गया है। ऑटोचालक की पहचान मुन्ना और धक्का लगाने वाले शख्स की पहचान अमित के रूप में हुई है।

टैंपल'स ऑफ लिबरलाइजेशन एंड वेलफेयर एलाइड ट्रस्ट

रजिस्टर्ड अंडर सैक्शन 60 विद रजिस्ट्रेशन नंबर (152/02-03-2020), एमएसएमई रजिस्ट्रेशन नंबर उद्यम -डीएल -0026470, नीति आयोग रजिस्ट्रेशन नंबर वीओ/ एनजीओ/0303274/25-01-2022 दर्पण रजिस्टर्ड

कार्यालय :- 3, प्रियदर्शिनी अपार्टमेंट, ए -4 पश्चिम विहार, न्यू दिल्ली 110063, कॉरपोरेट

कार्यालय :- 529, समयपुर, मेंन बवाना रोड, नियर बैंक ऑफ़ बड़ौदा दिल्ली 110042

प्रेग्नेंसी में न्यूट्रिशन का है विशेष महत्व, गर्भ में शिशु को रखता है हेल्दी, जानें क्या खाएं, क्या नहीं

देशभर में हर साल 1 से 7 सितंबर तक 'नेशनल न्यूट्रिशन वीक 2023' सेलिब्रेट किया जाता है. पूरे एक सप्ताह तक चलने वाले इस कार्यक्रम का मतलब उचित खानपान और पोषण के बारे में लोगों को जागरूक करना है. दरअसल, देश में आज भी लाखों बच्चे कुपोषण के शिकार हैं. इसका सीधा संबंध गर्भ के समय अनहेल्दी खानपान से है. आइए गायनेकोलॉजिस्ट से जानते हैं गर्भावस्था के दौरान डाइट में किन चीजों को शामिल करना चाहिए?

देशभर में हर साल 1 से 7 सितंबर तक 'नेशनल न्यूट्रिशन वीक 2023' सेलिब्रेट किया जाता है. पूरे एक सप्ताह तक चलने वाले इस कार्यक्रम का मतलब उचित खानपान और पोषण के बारे में लोगों को जागरूक करना है. भारत सरकार उचित पोषण के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए 'राष्ट्रीय पोषण सप्ताह' के दौरान सेमिनार, कैम्प्स और कई कार्यक्रम जैसे कई पहल करती है. दरअसल, काफी प्रयासों के बाद भी देश में आज भी लाखों बच्चे कुपोषण के शिकार हैं. इसका सीधा संबंध गर्भ के समय अनहेल्दी खानपान से है.
बता दें कि, प्रेग्नेंसी के दौरान अधिकतर महिलाओं के खानपान में पोषक तत्वों की कमी रहने से शरीर में आयरन, कैल्शियम की भारी कमी हो जाती है, जोकि मां-बच्चे दोनों के लिए नुकसानदायक है. ऐसे में ज़रूरी कि है कि गर्भ के पूरे 9 महीने मिनरल्स, विटामिंस और प्रोटीन से युक्त चीजों का सेवन करें. ऐसा करने से मां तो स्वास्थ्य रहेगी ही, साथ ही जन्म के समय बच्चा भी हेल्दी होगा. उसका शारीरिक और मानसिक विकास भी सही तरीके से होगा. यदि गर्भवती महिला की डाइट में ज़रूरी मिनरल्स, विटामिंस, प्रोटीन की कमी होगी तो मां के साथ शिशु भी कमजोर होगा. आइए डॉ. बाबा साहेब अंबेडकर मेडिकल कॉलेज की गायनेकोलॉजिस्ट डॉ. ज्योति यादव से जानते हैं गर्भावस्था के दौरान डाइट में किन चीजों को करें शामिल और इन दिनों न्यूट्रिशन का महत्व क्या है?

गर्भावस्था में न्यूट्रिशन का महत्व

गायनेकोलॉजिस्ट डॉ. ज्योति यादव कहती हैं कि गर्भावस्था के दौरान हर महिला के लिए न्यूट्रिशन से भरपूर डाइट लेना बेहद जरूरी होता है. ऐसी डाइट लेने से गर्भ में पल रहे शिशु का विकास ठीक से होता है. बता दें कि, प्रेग्नेंसी के सभी ट्राइमेस्टर में हैवी या ज्यादा खाने की ज़रूरत नहीं होती है, बल्कि संतुलित मात्रा में पोषक तत्वों को लेना आवश्यक होता है. प्रेग्नेंसी के दौरान आयरन से भरपूर फूड्स खाना बेहद ज़रूरी होता है. चूंकि, खून पतला हो जाता है, तो हीमोग्लोबिन भी थोड़ा सा ड्रॉप होता है. ऐसे में आयरन, फॉलिक एसिड से भरपूर चीजों का सेवन करना अधिक फायदेमंद हो सकता है.

मेनोपॉज के दौरान 6 चीजों को खाने से बचें

मेनोपॉज के दौरान 6 चीजों को खाने से बचेंआगे देखें...

इन न्यूट्रिशन को डाइट में करें शामिल

डॉ. ज्योति यादव कहती हैं कि प्रेग्नेंसी जितना हर महिला के लिए सुखद एहसास होता है, उतनी ही सेहत के प्रति सजगता भी जरूरी है. इस समय ली जाने वाली डाइट आपके पेट में पल रहे बच्चे के स्वास्थ्य पर सीधा असर डालती है. ऐसे में यदि आप चाहती हैं कि प्रेग्नेंसी के पूरे 9 महीने आप स्वस्थ रहें, तो डाइट में कैल्शियम, आयरन, फोलेट (फॉलिक एसिड), विटामिंस जैसे विटामिन सी, विटामिन बी 12, प्रोटीन, ओमेगा 3 फैटी एसिड आदि से भरपूर फूड्स को डाइट में अवश्य शामिल करें. शरीर में इन पोषक तत्वों की पूर्ति होने से आप तो स्वास्थ रहेंगे ही, आपका शिशु भी हेल्दी रहेगा.

प्रेग्नेंसी में कौन सी चीजें खाना सही

डॉ. ज्योति यादव कहती हैं कि आपकी हेल्दी डाइट आपको कई बीमारियों से बचाकर रख सकती है. ऐसे में जितना संभव हो ताजे फल, हरी पत्तेदार सब्जियां, फ्रेश घर का बना खाना खाएं. इसके अलावा आयरन भी बहुत जरूरी होता है. क्योंकि इस वक्त ज्यादातर महिलाओं के शरीर में आयरन की कमी हो जाती है, जो उनके साथ ही शिशु के लिए भी घातक हो सकता है. इस कमी को पूरा करने के लिए आप हरी पत्तेदार सब्जियां जैसे पालक, चुकंदर, अनार, ड्राई फ्रूट्स, अनाज, अंडा, रेड मीट, अमरूद आदि खा सकती हैं. वहीं, कुछ महिलाओं को कब्ज की समस्या भी होती है. इसके लिए फाइबर से भरपूर फूड्स जैसे संतरा, नींबू, रैस्पबेरीज, नाशपाती, स्ट्रॉबेरी, अंजीर, अमरूद, चोकर युक्त आटा, साबुत अनाज आदि जरूर खाएं. ताजे फलों से तैयार जूस पिएं. खुद को हाइड्रेट रखने के लिए पानी अधिक पिएं, साथ ही नींबू पानी, नारियल पानी पीने से भी आपको कई तरह के पौष्टिक तत्वों की प्राप्ति होगी.

इन चीजों को खाने से करें परहेज

डॉ. ज्योति यादव के मुताबिक, गर्भावस्था के समय का हेल्दी खानपान आपके बच्चे का शारीरिक और मानसिक विकास को दुरुस्त रखता है. लेकिन इस समय कुछ चीजों से दूरी रखना भी बेहद जरूरी हो जाता है. जी हां, प्रेग्नेंसी के समय अधिक तैलीय फूड्स, प्रोसेस्ड फूड्स, जंक फूड्स, पैकेज्ड फूड्स, एल्कोहल, रेड मीट, अधिक फैटी और कैलोरी युक्त चीजें, रोड साइड फूड्स, सोडा, कोल्ड ड्रिंक्स आदि के सेवन से बचना चाहिए. इसके अलावा गर्भावस्था में कच्चा पपीता, अनानास भी ना खाएं. दरअसल इन चीजों का सेवन करने से कभी-कभी बाउल मूवमेंट बढ़ता है, जिससे मिसकैरेज होने का खतरा बढ़ सकता है.

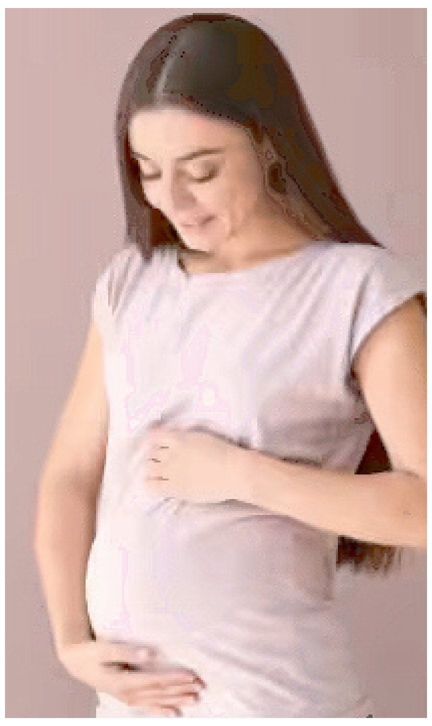

प्रेग्नेंसी में जरूर खाएं ये 5 सुपरफूड्स, खुद भी बनी रहेंगी हेल्दी और स्मार्ट

एक्सपर्ट प्रेग्नेंसी के दौरान महिलाओं को पौष्टिक और संतुलित भोजन करने के सलाह देते हैं. इस तरह का भोजन करने से शिशु के दिमाग का विकास होता है. क्योंकि मां के खान-पान का सीधा असर बच्चे के दिमाग पर निर्भर करता है. आइए गायनोकोलॉजिस्ट से जानते हैं कुछ ऐसे सुपरफूड्स, जिन्हें प्रेग्नेंसी में खाने से गर्भ में पल रहे शिशु का मानसिक विकास बेहतर होता है.

हर महिला के लिए मां बनना सबसे सुखद अहसासों में से एक है. यही वो वक्त होता है, जब एक मां खुद के लिए नहीं, बच्चे के लिए जीवन जीती है.
दरअसल, प्रेग्नेंसी के दौरान महिलाओं को कई तरह के बदलावों का भी सामना करना पड़ता है. इस दौरान उसे अपने साथ-साथ गर्भ में पल रहे अपने शिशु की सेहत का भी ध्यान रखना होता है. ऐसे में एक्सपर्ट पौष्टिक और संतुलित भोजन करने के सलाह देते हैं. लेकिन क्या आप जानते हैं कि शिशु का दिमागी विकास गर्भावस्था में ही शुरू हो जाता है. ऐसे आपको ऐसे फूड्स का चुनाव करना चाहिए, जो आपकी सेहत के साथ शिशु की सेहत के लिए भी फायदेमंद हो. क्योंकि मां के खान-पान का सीधा असर बच्चे के दिमाग पर निर्भर करता है. आइए संजय गांधी मेमोरियल अस्पताल दिल्ली की गायनोकोलॉजिस्ट डॉ. ज्योत्सना देवी से जानते हैं कुछ ऐसे सुपरफूड्स, जिन्हें प्रेग्नेंसी में खाने से गर्भ में पल रहे शिशु का मानसिक विकास बेहतर होता है.

अखरोट: प्रेग्नेंसी में अखरोट खाना सेहत के लिए बेहद फायदेमंद माना जाता है. दरअसल, अखरोट प्रोटीन, विटामिन्स और फैट के साथ ही ओमेगा 3 फैटी एसिड का अच्छा स्रोत है. ओमेगा 3 फैटी एसिड शिशु के मानसिक विकास के लिए बेहद जरूरी होता है. यदि आप चाहती हैं कि आपका बच्चा इंटेलिजेंट हो, तो प्रेग्नेंसी के दौरान अखरोट का सेवन जरूर करना चाहिए.

इन 7 खास वजहों से जरूर खाएं कद्दू के बीजआगे देखें...

अंडा: प्रेग्नेंसी के दौरान नॉन-वेज खाने से कई गर्भवती महिलाएं बचती रहती हैं. लेकिन, ऐसा करना गलत है. संभव हो तो अंडे का सेवन जरूर करें. बता दें कि, अंडा प्रोटीन का एक समृद्ध स्रोत माना जाता है. इसमें विटामिन-डी की भी अच्छी मात्रा होती है, जो मानसिक विकास में बेहद जरूरी है. अंडा भ्रूण के मस्तिष्क के विकास में मदद करता है. साथ ही, याददाश्त और सीखने की क्षमता को बढ़ावा देता है.

कद्दू के बीज: प्रेग्नेंसी के दौरान कद्दू के बीज का सेवन जरूर करना चाहिए. कद्दू के बीज खाने से शरीर को प्रोटीन अधिक मिलता है. ऐसे में यदि आप चाहते हैं कि आपका होने वाला बच्चा स्मार्ट हो, तो इन चमत्कारी बीजों को डाइट में जरूर शामिल करना चाहिए. दरअसल, इस बीजों में जिंक पाया जाता है, जो शिशु के दिमागी विकास के लिए जरूरी है. साथ ही एंटीऑक्सीडेंट शिशु के मस्तिष्क के ऊतकों को डैमेज होने से बचाते हैं.

बादाम: एक्सपर्ट के मुताबिक, प्रेग्नेंसी में बादाम का जरूर सेवन करना चाहिए. क्योंकि बादाम में प्रोटीन, विटामिन और हेल्दी फैट्स की अच्छी मात्रा होती है. इसके अलावा, इसमें ओमेगा 3 फैटी एसिड भी मौजूद होता है, जो शिशु के मानसिक विकास के मदद करता है. ऐसे में यदि आप प्रेग्नेंसी के दौरान नियमित बादाम खाते हैं तो गर्भ में पल रहे शिशु का दिमाग रहेगा.

कैल्शियम की कमी से कम उम्र में ही घेर लेगी हड्डियों की बीमारी, कमी दूर करने के लिए महिलाएं जरूर खाएं ये 5 फूड

बढ़ती उम्र में हड्डियों से संबंधित कई समस्याएं घेरने लगती हैं. अक्सर महिलाएं अपने खानपान का ध्यान नहीं रखती हैं, जिससे उन्हें 30-40 की उम्र में ही बोन संबंधित प्रॉब्लम होने लगती है. ये परेशानी और अधिक ना बढ़े, इसके लिए जरूरी है कि आप अभी से ही कैल्शियम से भरपूर फूड्स का सेवन शुरू कर दें. यहां 5 कैल्शियम रिच फूड्स के बारे में बता रहे हैं, इन्हें आप जरूर खाएं.

उम्र बढ़ने के साथ शरीर के अंग धीरे-धीरे कमजोर होने लगते हैं. हड्डियों के साथ भी ऐसा ही है. यदि आप कम उम्र हेल्दी और पौष्टिक से भरपूर फूड्स का सेवन नहीं करेंगी तो आगे चलकर कई शारीरिक समस्याएं हो सकती हैं. सबसे ज्यादा लोगों को हड्डियों की समस्या परेशान करने लगती है. खासकर महिलाएं 30 से 40 की उम्र में ही शरीर में कैल्शियम और विटामिन डी की कमी के कारण परेशान रहती हैं. ऐसा इसलिए होता है, क्योंकि उनकी डाइट में कैल्शियम रिच फूड्स की कमी होती है. आप नहीं चाहती हैं कि बढ़ती उम्र में आपको गठिया, ऑस्टियोपोरोसिस, जोड़ों में दर्द, बोन फ्रैक्चर की समस्या हो तो आप यहां बताए गए कैल्शियम से भरपूर चीजों को डाइट में आज से ही शामिल करें.

कैल्शिमय की जरूरत शरीर को क्यों होती है?

हेल्थ डॉट कॉम में छपी एक खबर के अनुसार, कैल्शियम शरीर में सबसे प्रचुर मात्रा में पाया जाने वाला मिनरल है. ये एक ऐसा पोषक तत्व है, जो आपकी हड्डियों और दांतों को मजबूत बनाए रखने में मदद करता है. मांसपेशियों को शक्ति प्रदान करता है. नर्व और हार्मोन फंक्शन को सपोर्ट करता है. कैल्शियम को शरीर स्वाभाविक रूप से प्रोड्यूस नहीं करता है, इसलिए, हड्डियों को मजबूती देने और बेहतर हेल्थ के लिए डाइट में पर्याप्त मात्रा में कैल्शियम से भरपूर फूड्स को शामिल करना महत्वपूर्ण है. आपके शरीर में 99% से अधिक कैल्शियम हड्डियों और दांतों में पाया जाता है.

कितना हो एक दिन में कैल्शियम का इनटेक

अमेरिका के फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (2016 तक) के अनुसार, 4 से लेकर उससे अधिक उम्र वालों के लिए कैल्शियम का अनुशंसित डेली वैल्यू 1,300 मिलीग्राम निर्धारित किया है. हालांकि, कैल्शियम की जरूरत व्यक्ति की उम्र, लिंग पर आधारित होती है. फूड एंड न्यूट्रिशन बोर्ड के अनुसार कैल्शियम के लिए अनुशंसित डायटरी अलाउएंसेज (RDAs) अलग-अलग हैं. 14 से 18 वर्ष के टींस को 1300 एमजी डेली कैल्शियम इनटेक जरूरी है. वहीं 19 से 50 वर्ष के लोगों के लिए 1000 एमजी. 51 से 70 वर्ष के पुरुषों को 1 हजार एमजी तो इसी उम्र की महिलाओं को 1200 एमजी कैल्शियम का डेली इनटेक जरूरी है.

कैल्शियम की पूर्ति के लिए महिलाएं खाएं ये फूड्स

खसखस- महिलाओं को कैल्शियम की पूर्ति के लिए दूध, दही के अलावा, खसखस को अपनी डाइट में जरूर शामिल करना चाहिए. खसखस आयरन, कैल्शियम, गुड फैट का बेहतरीन सोर्स है. हालांकि, इसकी तासीर गर्म होती है, इसलिए इसका सेवन आप सीमित मात्रा में ही करें. कैल्शियम रिच खसखस के नियमित सेवन से आप अपनी हड्डियों को बीमारियों से बचा सकती हैं.

दूध और डेयरी प्रोडक्ट्स- अक्सर महिलाएं घर के कामों में लगी रहती हैं और अपने खानपान पर ध्यान कम देती हैं. कुछ महिलाएं तो डेली दूध, दही का सेवन भी नहीं करती हैं. कैल्शियम की पूर्ति के लिए दूध और इससे बनी चीजें आप डेली खाएं. तभी बढ़ती उम्र में बोन रिलेटेड समस्याओं से बची रहेंगी. डेयरी प्रोडक्ट्स अन्य फूड्स की तुलना में कैल्शियम में सबसे अधिक भरपूर होते हैं. इसके लिए आप चीज की भी सेवन कर सकती हैं.

चिया सीड्स- ये बीज ओमेगा-3 फैटी एसिड, फाइबर और कैल्शियम से भरपूर होते हैं. इसे आप दही, स्मूदी, दूध या फिर पानी में डालकर भी पी सकती हैं. कैल्शियम का बेहतरीन सोर्स हैं चिया के बीज. प्रत्येक 100 ग्राम सर्विंग में लगभग 400 से लेकर 600 एमजी कैल्शियम की पूर्ति होगी.

हरी पत्तेदार सब्जियां- सब्जियां सेहत का खजाना होती हैं. खासकर, हरी पत्तेदार सब्जियों के सेवन से आपको भरपूर पोषण मिलेगा. इनमें विटामिन ए, सी, ई, के, आयरन, फाइबर के साथ ही कैल्शियम भी होता है. आप पालक, केल का सेवन जरूर करें. पत्तेदार सब्जियों के सेवन से महिलाओं के शरीर में आयरन की कमी भी नहीं होगी. पालक खाने से आपको कैल्शियम, आयरन के साथ ही विटामिन ए, सी भी मिलेगा. केल का सेवन आप सलाद या किसी भी ड्रिंक में ब्लेंड करके कर सकती हैं.

नट्स और सीड्स- कुछ नट्स में कैल्शियम काफी अधिक होता है. बादाम, तिल, अलसी के बीज खाएं. इनसे आपको कैल्शियम, एंटीऑक्सीडेंट्स, विटामिन के, कई तरह के मिनरल्स, फाइबर, ओमेगा-3 फैटी एसिड्स की प्राप्ति होगी. एंटीऑक्सीडेंट्स शरीर में फ्री रेडिकल्स के कारण कोशिकाओं को होने वाली नुकसान से बचाते हैं. कैल्शियम के लिए आप बादाम का सेवन भी कर सकती हैं.

4 मौतों की खौफनाक कहानी: लाइन से बेड पर पड़ी थीं तीन बच्चों की लाशें, दूसरे कमरे में फंदे से लटका था बाप का शव

परिवहन विशेष न्यूज

नूंह में एक युवक और तीन बच्चों के शव मिलने की सनसनीखेज घटना सामने आई।घटना के बाद मृतक की पत्नी गायब है। परिवार के लोगों ने महिला पर प्रेमी के साथ मिलकर पति और बच्चों की हत्या का आरोप लगाया है।

नईदिल्ली। नूंह के गांगोली गांव में शनिवार सुबह एक युवक और तीन बच्चों के शव मिलने से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। जीत सिंह उर्फ बंटा (34) का शव फंदे पर लटका मिला वहीं सभी बच्चे बिस्तर पर मृत पड़े थे। घटना के बाद से जीत सिंह की पत्नी मीना गायब है। परिवार के लोगों का आरोप है कि महिला ने प्रेमी के साथ मिलकर पति व बच्चों की हत्या की है।

जैसे ही सुबह गांगोली गांव की इस घटना के बारे में ग्रामीणों व आसपास के गांवों के लोगों को पता चला तो सब अपना काम छोड़कर मृतक जीत सिंह के घर की तरफ दौड़ पड़े। वहां का मंजर देखकर हर किसी के पैरों तले से जमीन खिसक गई। घटना के गांव के बाद पूरे गांव में मातम पसर गया। काफी घरों में चूल्हे तक नहीं जले।

यह क्षेत्र में बहुत बड़ी घटना है। जिसमें एक साथ चार मौतें हुई है। तीन मासूम जहां लाइन से एक बेड पर मृतक पड़े हुए थे, वहीं उनके मुंह से झाग निकल रहे थे। जिससे लग रहा था कि इन्हें पहले जहर दिया गया है। बड़े बेटे खिलाड़ी के गले पर काफी गहरा निशान बना हुआ था, जिसे देखकर लग रहा था कि इसकी रस्सी और कपड़े से गला दबाकर हत्या की गई है।

दोनों भाइयों के बीच में 10 साल की राधिका की नाक से खून बह रहा था और प्रियांशु के चेहरे पर भी निशान थे। मृतक पिता जीत सिंह भी दूसरे कमरे में पंखे पर फंदे से लटका हुआ था। बाहर के मुख्य गेट की कुंडी नहीं लगी हुई थी। वही अंदर के दोनों कमरों के गेट खुले हुए थे। सब देखकर बुजुर्ग मां-बाप जहां पूरी तरह से होश खो बैठे वहीं अन्य परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल था।

हर कोई मृतक जीत सिंह की पत्नी मीना के बारे में बातचीत कर रहा था। लोगों ने इसकी सूचना तुरंत पुलिस को दी पुलिस की टीम थाना प्रभारी नरेश कुमार के साथ मौके पर पहुंची इसके बाद यहां जांच के लिए फोरेंसिक टीम को भी बुलाया गया। मृतक जीत सिंह तीन भाई हैं। जिनमें वह सबसे छोटा था। मृतक का पिता डालचंद सड़क लोक निर्माण विभाग से रिटायर्ड कर्मचारी हैं।

चौहरे हत्याकांड में कई एंगलों से जांच कर रही है पुलिस

गांगोली गांव में हुए चौहरे हत्याकांड को लेकर पुलिस कई एंगलों से जांच में जुट गई है। पुलिस ने भले ही मृतक के परिजनों की शिकायत पर मृतक जीत सिंह की पत्नी मीना व उसके कथित प्रेमी रोहित सहित आधा दर्जन लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस इस मामले में जल्द ही तह तक पहुंच जाएगी।

इसके लिए पुलिस पड़ोसी के घर पर लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज खंगालने के साथ-साथ आरोपी महिला की कॉल लोकेशन भी निकलवा रही है। इसके अलावा पुलिस मृतक जीत सिंह व उसकी पत्नी में आए दिन होने वाले झगड़ों के कारण भी देख रही है। पुलिस सूत्रों का कहना है कि जिस तरह से पत्नी के चरित्र को लेकर झगड़े हो रहे थे और पत्नी कई-कई दिन तक घर से बाहर रहती थी।

इससे जीत सिंह भी डिप्रेशन में हो सकता है जिसके चलते पहले उसने अपने बच्चों को मौत के घाट उतारकर खुद आत्महत्या की हो। क्योंकि जिस तरह से घर के दरवाजे खुले हुए हैं और कोई समांतर नहीं है उसे देखकर भी प्रथम दृष्टा में जीत सिंह द्वारा भी बच्चों की हत्या व फिर आत्महत्या करने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता।

बच्चों को स्कूल से लेकर आया था जीत

ग्रामीणों के मुताबिक, सुबह करीब सवा दस बजे मृतक जीत सिंह की पत्नी मीना ने कोऑपरेटिव बैंक इंडरी से 30 हजार रुपये निकले थे। जिसका मैसेज जीत सिंह के फोन पर आया। वह मैसेज देखते ही बैंक में पूछताछ के लिए पहुंच गया। जहां उसे बताया गया कि ये पैसा उसकी पत्नी मीना ने निकाला है। उसके बाद जीत सिंह ने अपने साले सहित कई जगह फोन किया।

उसने घर आकर देखा तो उसकी पत्नी भी घर पर नहीं थी। रोजका मेव औद्योगिक क्षेत्र की एक प्राइवेट कंपनी में काम करने वाला मृतक जीत सिंह इसके बाद अपने घर आया और वहां से अपने बच्चों को गांव के ही सरकारी स्कूल से छुट्टी होने से पहले अपने घर लेकर आया। इतना ही नहीं करीब एक बजे बच्चे दुकान से खाने के लिए कुछ सामान लेकर भी अपने घर गए थे।

जीत सिंह का बड़ा बेटा खिलाड़ी पैरों से विकलांग था, लेकिन अब पिछले कुछ दिनों से वह चलने फिरने लगा था और स्कूल भी जा रहा था। वहीं छोटे दोनों बच्चे पूरी तरह से ठीक थे। मृतक जीत सिंह अपने परिवार से अलग रहता था। वह तीन बच्चों और पत्नी के साथ दूसरे मोहल्ले में पिछले 12 साल से रह रहा था। मां-बाप जब तब उसके पास आते रहते थे।

जल्द ही पुलिस इस मामले में दूध का दूध पानी का पानी कर देगी। हर एंगल से पुलिस जांच कर रही है। इसमें जो भी दोषी होगा उसको किसी कीमत पर नहीं बख्शा जाएगा। डीएसपी को मौके पर भेज कर हर एंगल से मामले को खंगालने के आदेश दिए हैं। जल्द ही इसका खुलासा हो जाएगा।

- नरेंद्र बिजारनिया, पुलिस कप्तान

चीनी मांझे का कहर: बाइक से जा रहे शिक्षक का गला और गाल कटा, हालत गंभीर, पतंग उड़ाने वालों की हो रही पहचान

पुलिस ने पीड़ित गौरव के बयान पर मामला दर्ज कर लिया। पुलिस आसपास के इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों की मदद से पतंग उड़ाने वालों की पहचान करने में जुटी है।

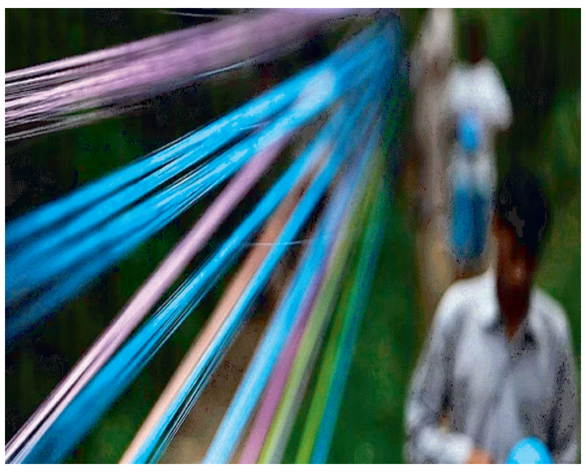

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की सख्ती के बावजूद चाइनीज मांझे पर रोक नहीं लग पा रही है। सीलमपुर में चाइनीज मांझे की चपेट में आने से शिक्षक परमानंद मौर्या का गला व गाल कट गया। घटना के समय पीड़ित दूसरे शिक्षक के साथ बाइक से घर जा रहे थे। दूसरे शिक्षक ने उन्हें पास के अस्पताल में भर्ती कराया, जहां से उन्हें लोकनायक अस्पताल रेफर कर दिया गया। पुलिस लापरवाही का मामला दर्ज कर जांच कर रही है।

पुलिस के अनुसार, वेलकम कॉलोनी निवासी परमानंद गौतमपुरी स्थित सरकारी स्कूल में शिक्षक हैं। सहयोगी शिक्षक गौरव ने बताया कि 1 सितंबर की शाम दोनों बाइक पर वेलकम मेट्रो स्टेशन की ओर आ रहे थे। परमानंद ने हेलमेट नहीं पहन रखा था। सीलमपुर एसडीएम कार्यालय के पास चाइनीज मांझा गौरव के हेलमेट से टकराने के बाद पीछे बैठे परमानंद के गले में फंस गया। इससे गला, गाल और ललाट कट गया। उनके चिल्लाने पर गौरव ने बाइक रोकी और फिर जग प्रवेश अस्पताल ले गए।

घटना की जानकारी मिलने के बाद अन्य कई शिक्षक अस्पताल पहुंच गए। अस्पताल में प्राथमिक इलाज करने के बाद परमानंद को लोक नायक अस्पताल रेफर कर दिया गया। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस अस्पताल पहुंची। घायल शिक्षक बयान देने की स्थिति में नहीं थे। पुलिस ने गौरव के बयान पर मामला दर्ज कर लिया। पुलिस आसपास के इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों की मदद से पतंग उड़ाने वालों की पहचान करने में जुटी है।

पीसीपी कक्षाएं लाइव देख व सुन सकेंगे दिव्यांग विद्यार्थी, एसओएल जल्द देने जा रहा अनुभूति सेंटर की सौगात

डीयू का दूरस्थ एवं सतत शिक्षा विभाग दिव्यांग छात्रों को विशेष सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए अनुभूति सेंटर की सौगात देने जा रहा है। सेंटर के माध्यम से छात्रों को सभी सुविधाएं नि:शुल्क मिलेंगी।

दिल्ली विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग (एसओएल) के दिव्यांग छात्र अब अपनी पीसीपी कक्षाएं (पर्सनल कॉन्टेक्ट प्रोग्राम) लाइव देख व सुन सकेंगे। दिव्यांग छात्रों को कई प्रकार के सॉफ्टवेयर, ऑडियो बुक, साइन लैंग्वेज विशेषज्ञों का लाभ भी मिलेगा।

छात्रों को यह सब सुविधाएं एक सेंटर के माध्यम से उपलब्ध कराई जाएंगी। डीयू का दूरस्थ एवं सतत शिक्षा विभाग दिव्यांग छात्रों को विशेष सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए अनुभूति सेंटर की सौगात देने जा रहा है। सेंटर के माध्यम से छात्रों को सभी सुविधाएं नि:शुल्क मिलेंगी। एसओएल में अभी तक कोई ऐसा सेंटर नहीं है जो कि दिव्यांग छात्रों के लिए सुविधाओं की व्यवस्था करे। दूरस्थ एवं सतत शिक्षा विभाग की निदेशक प्रो. पायल मागो ने बताया कि हम एक ऐसा सेंटर खोलने जा रहे हैं जो कि दिव्यांग छात्रों की हर संभव मदद करेगा। इसे हमने अनुभूति सेंटर का नाम दिया है।

इसके तैयार होने से उन्हें कैंपस के कम से कम चक्कर लगाने पड़ेंगे। सेंटर तैयार करने में 20 लाख रुपये से अधिक की लागत आई है। उन्होंने कहा कि हम सामान्य छात्रों के लिए तो सुविधाएं उपलब्ध करा ही रहे हैं अब हमने दिव्यांग छात्रों के लिए भी विशेष व्यवस्थाएं करने की तैयारी की है।

एसओएल में यह सेंटर बन कर तैयार हो चुका है बस इसका क्रियान्वयन होना बाकी है। दिव्यांग छात्रों को जिस-जिस तरह की जरूरत होगी यह सेंटर उनकी उस जरूरत को पूरा करेगा। खास बात यह है कि यह सब सुविधाएं उन्हें नि:शुल्क उपलब्ध कराई जाएंगी। इस सेंटर के माध्यम से उन्हें ऑनलाइन सामग्री की उपलब्धता भी होगी।

दिव्यांगता के आधार पर छात्रों को अलग-अलग तरह के सॉफ्टवेयर भी इस सेंटर के माध्यम से उपलब्ध कराए जाएंगे। ऑडियो वीडियो लेक्चर भी सेंटर के माध्यम से उपलब्ध हो जाएंगे। इससे यदि किसी को चलने में परेशानी हैं तो उसे कैंपस आने की भी आवश्यकता नहीं होगी। सेंटर के तहत एक हेल्पलाइन नंबर भी जारी किया जाएगा। इस पर सुबह नौ बजे से शाम पांच बजे तक जानकारी ली जा सकेगी।

स्वर्गीय राज सिंह यादव की प्रथम पुण्यतिथि पर स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। रोहिणी के सैक्टर-6 के नाहरपुर गांव स्थित पंडित कन्हैया लाल धर्मशाला में मास्टर स्वर्गीय राज सिंह यादव की प्रथम पुण्यतिथि पर मेदांता हॉस्पिटल गुरुग्राम, आई मंत्रा, कलोव डेंटिस्ट के सौजन्य से निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। इस मौके पर जानकारी देते हुए अखिल भारतीय यदुवंशी महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष विजेंद्र यादव व विजय यादव ने बताया कि इस शिविर में बीपी, शुगर, ईसीजी, दांतों की जांच, आंखों की जांच, कैल्शियम की जांच, दमा की जाच सहित कई प्रकार की जांच कर दवाइयां निशुल्क दी गई। इस अवसर पर लगभग 532 लोगों ने अपने स्वास्थ्य की जांच करवाई। इस मौके पर रिठाला विधानसभा क्षेत्र के विधायक महेंद्र गोयल, रोहिणी के पूर्व विधायक जय भगवान अग्रवाल, निगम पार्षद धर्मवीर शर्मा, दिल्ली नगर निगम स्टैंडिंग कमेटी के पूर्व डिप्टी चेयरमैन विजेंद्र यादव, बीटीडब्ल्यू के डायरेक्टर सतीराम यादव, चीफ इंजीनियर रमेश चंद्र मुख्य रूप से मौजूद रहे। इस मौके पर विधायक महेंद्र गोयल ने कहा कि मास्टर जी स्वर्गीय राज सिंह यादव बड़े ही अच्छे समाजसेवी व्यक्ति थे। और सभी

के सुख-दुख में हमेशा ही साथ रहते थे, आज वह हमारे बीच नहीं है, लेकिन उनके द्वारा किये गये कार्य सदैव हमारे बीच रहेंगे।

इस मौके पर चेतन अग्रवाल, भगत सिंह, आरबी यादव, विजय यादव, प्रवीण यादव, मनीष यादव, नवीन मुंजाल, विनोद शर्मा, जितेंद्र कुशवाहा, डॉक्टर आर एस यादव, हर्मेश यादव, संजय यादव, जितेंद्र यादव, राज बहादुर यादव, त्रिवेणी यादव, पारस यादव, जेड़ी यादव, जितेंद्र यादव, धर्मराज यादव रासबिहारी मंडल, साहिल यादव सहित कई लोग मौजूद रहे।

दिल्ली की ब्रांडिंग अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हुई है। किसी भी सिटी की ब्रांडिंग अपने आप में बड़ी बात होती है।

LG वीके सक्सेना ने कहा- जिन्हे विवाद पसंद हैं वे करें, हमें जी-20 अच्छी तरह कराना है, दिल्ली तैयार

उपराज्यपाल वीके सक्सेना खुद इसकी निगरानी कर रहे हैं। ऐसे में पहले वैश्विक आयोजन की मेजबान बनने जा रही दिल्ली के उपराज्यपाल से तैयारियों पर विस्तार से बात की। पेश है इसके अंश...

जी-20 सम्मेलन के लिए राजधानी में तैयारी भी हाई प्रोफाइल है। उपराज्यपाल वीके सक्सेना खुद इसकी निगरानी कर रहे हैं। ऐसे में पहले वैश्विक आयोजन की मेजबान बनने जा रही दिल्ली के उपराज्यपाल से तैयारियों पर विस्तार से बात की। पेश है इसके अंश...

आयोजन के लिए दिल्ली कितनी तैयार है?

दिल्ली देश की राजधानी है। यहां इस तरह के आयोजन सप्ताह भर की तैयारी में हो जाने चाहिए, लेकिन दिल्ली इसके लिए तैयार नहीं थी। हमें काफी पहले से काम शुरू करना पड़ा। आज जहां हम खड़े हैं, हम कह सकते हैं कि दिल्ली के छोटे से बमुश्किल दस फीसदी हिस्से को इसके लिए तैयार कर लिया गया है। हमारी कोशिश है कि पूरी दिल्ली को इस तरह तैयार करें, लेकिन इसमें वक्त लगेगा। अभी जहां आयोजन होना है, वह क्षेत्र पूरी तरह से तैयार है।

आप शार्ट नोटिस पर कोई भी वैश्विक आयोजन करवाने की बात कर रहे हैं। इसके लिए कितना कुछ करना होगा?

दिल्ली के लिए अभी बहुत मेहनत करनी है। जो ढांचा बना है, उसे संभाले भी रखना है और बाकी दिल्ली को सजाना ही है। आयोजन के बाद 15 सितंबर से इस दिशा में युद्ध स्तर पर काम होगा। खराब सड़कों को ठीक करने, ट्रैफिक व्यवस्था सुधारने, अतिक्रमण हटाने व शहर को सुंदर बनाने की मुहिम शुरू होगी। दिल्ली काफी बड़ी है। मिशन मोड में काम चल रहा है। जनता को आश्वासन दे रहा हूं कि बाकी दिल्ली भी इसी तरह चमचमाएगी।

शिखर सम्मेलन से दिल्ली को क्या फायदा मिलेगा?

दिल्ली की ब्रांडिंग अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हुई है। किसी भी सिटी की ब्रांडिंग अपने आप में बड़ी बात होती है। विदेशी मेहमान शहर की सुंदरता व संस्कृति से अवगत होकर लौटेंगे। इससे पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। किसी शहर में बड़े आयोजनों से उसकी अर्थव्यवस्था और देश की छवि पर फर्क पड़ता है। देश की छवि बदलेगी।

कॉमनवेल्थ गेम्स में भी बहुत काम हुआ था, लेकिन सारे काम धूमिल हो गए?

अच्छा सवाल है। इस बार इसका इंतजाम है। जितनी भी योजनाएं हैं और काम संबंधित एजेंसी को सौंपे गए हैं, उन्हीं की जिम्मेदारी तय की गई है। वही इसका रखरखाव भी करेंगे। यह हमारी स्थायी संपत्ति है। इसे संजोकर रखना सभी की जिम्मेदारी है। कई स्थायी ढांचे तैयार किए गए हैं। ये सुनिश्चित किया जाएगा कि टूटे नहीं, बल्कि सहेज कर रखा जाए।

दिल्ली सरकार का कितना सहयोग मिला?

सभी एजेंसी ने सहयोग किया है। देश ही नहीं, विदेशी एजेंसियों से भी बेहतर तालमेल है। इतना जरूर है कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने अभी तक जी-20 की तैयारी को लेकर आयोजित बैठकों में से सिर्फ एक बार शिरकत की है। उनके मंत्रियों ने तो इसकी भी जहमत नहीं उठाई। उनकी अपनी राजनीतिक मजबूरियां हैं। किसी का व्यवहार नहीं बदला जा सकता। दिल्ली के लिए सौभाग्य की बात है कि इतना बड़ा आयोजन हो रहा है। अभी मेरा मिशन है कि यह अच्छे से हो। इसका हम सभी ने संकल्प ले रखा है।

तैयारी को लेकर क्रेडिट लेने की होड़ है। क्या कहेंगे इस पर?

क्रेडिट या डेबिट के लिए काम नहीं किया जाता। दिल्ली सरकार की मजबूरी रही होगी राजनीति करने की। शुरुआत मुश्किल भरी रही, लेकिन अब सभी तैयारी पूरी है। किसी के माइंड सेट को नहीं बदला जा सकता। उन्हें विवाद पसंद है तो वे करें। भले ही शिवलिंग को लेकर ही है। उनकी यही सोच है तो करें। अगर दिल्ली सरकार ने पिछले 9 वर्षों में काम किया होता तो शहर में जी-20 की तैयारी के लिए कम प्रयास करने पड़ते। मेरा मानना है कि हमें साथ मिलकर काम करना चाहिए।

तरह-तरह की कलाकृतियां लगी हैं। इसके पीछे की सोच क्या है?

कलाकृतियों के पीछे भी गहरी सोच छिपी है। अगर कहीं शेर की कलाकृति है तो यह दर्शाने की कोशिश की गई है भारत अब शक्तिशाली देश है। घोड़े की कलाकृति जहां है उससे यह दर्शाया गया है कि केंद्र सरकार गति शक्ति की नीति पर आगे बढ़ रही है। जगह-जगह लगे फाउंटेन शांति देते हैं। दुनिया के जो भी विकसित शहर हैं वहां बड़ी संख्या में फाउंटेन देखने को मिलते हैं, जो दिल्ली में ऐसा देखने को नहीं मिला। वे जिसे शिवलिंग की आकृति वाले फव्वारे कह रहे हैं, वह मूर्तिकार की कल्पना है।

क्या रही सबसे बड़ी चुनौती?

सबसे बड़ी चुनौती शहर की गंदगी को दूर करना था। टूटी सड़कों की मरम्मत करना और हरियाली को फिर से स्थापित करना था। सड़कों से 15,000 टन से अधिक कूड़ा हटाया गया। शहर की अन्य सड़कों को जी-20 की तैयारियों के तहत शुरू की गई थी।

सम्मेलन के दौरान बारिश हुई तो क्या इंतजाम है?

भारी बारिश होती है, तो विभिन्न एजेंसियों की आकस्मिक योजना सक्रिय हो जाएगी। प्रगति मैदान के आसपास 60 मोबाइल हेवी ड्यूटी पंपिंग सेट तैनात किए जाने हैं। नालियों और भूमिगत भंडारण टैंकों के निर्माण के माध्यम से जलभराव वाले क्षेत्रों का ध्यान रखा गया है। एनडीआरएफ, पीडब्ल्यूडी, बाढ़ और सिंचाई विभाग जैसी एजेंसियों को किसी भी स्थिति से निपटने के लिए अलर्ट पर रखा गया है। इतना बड़ा आयोजन दिल्ली में हो रहा है, इसलिए सराहना करने की जरूरत है न कि यह शिकायत करने की।

राजनीति नहीं, एलजी के साथ करना चाहते हैं काम : आतिशी

सम्मेलन को लेकर हम किसी भी प्रकार की राजनीति नहीं करना चाहते। यह देश के सम्मान का विषय है। यह कहना है दिल्ली की लोक निर्माण विभाग मंत्री आतिशी का। अमर उजाला संवाददाता राकेश शर्मा से शनिवार को विशेष बातचीत में आतिशी ने बताया कि उपराज्यपाल हमारे बड़े हैं। हम उनके साथ मिलकर काम करना चाहते हैं, लेकिन वे हमें बुलाते ही नहीं हैं।

अधिकारियों को बुलाकर बैठक करते हैं, हमें सूचना तक ही नहीं देते, जबकि सूचना देनी चाहिए। इसके बावजूद जी-20 को लेकर जो भी जिम्मेदारी सरकार पर है उन्हें ईमानदारी से पूरा किया गया है। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में लोक निर्माण विभाग की सड़कों को चमकाया गया है। तीन साल से दिल्ली की सड़कों को सुंदर बनाने का काम किया जा रहा है। कुछ माह से इन पर हरियाली बढ़ाने की दिशा में काम किया गया।

वहीं, सारा काम केंद्र सरकार की ओर से करवाए जाने के विपक्ष के दावे पर आतिशी ने बताया कि दिल्ली में बहुत सारी एजेंसियां काम करती हैं। ऐसे में जो एजेंसी सीधे केंद्र सरकार के नियंत्रण में हैं, वहां का काम केंद्र सरकार की मदद से हुआ है। इसमें एनडीएमसी, दिल्ली छावनी, राष्ट्रीय राजमार्ग सहित अन्य शामिल हैं। ऐसा नहीं है कि सारा काम इन्हीं ने किया है। करीब 23 सड़कों पर लोक निर्माण विभाग और पुरानी दिल्ली क्षेत्र में साफ सफाई के लिए निगम ने भी काम किया है। इसके लिए फंड दिल्ली सरकार से मिला है। ऐसे में यह कहना कि सारा काम केंद्र सरकार ने किया गलत होगा। यह हम सभी का मिलकर किया गया प्रयास है। दिल्ली सरकार ने केंद्र सरकार ने 927 करोड़ रुपये मांगे थे, लेकिन उन्होंने नहीं दिए।

शिवलिंग लगाकर किया अपमान

आतिशी ने कहा कि दिल्ली छावनी क्षेत्र में शिवलिंग के फव्वारे लगाकर केंद्र सरकार ने लोगों की आस्था को आहत किया है। इस क्षेत्र में सौंदर्यीकरण का काम राष्ट्रीय राजमार्ग ने करवाया है। सौंदर्यीकरण में शिवलिंग का इस्तेमाल नहीं होना चाहिए। इसकी स्थापना पूरे विधि विधान से होती है। इस सौंदर्यीकरण को लेकर जनता में नाराजगी है। एलजी को इसमें अपनी गलती माननी चाहिए।

दिल्ली सरकार ने सजाई सड़कें

आप सरकार दिल्ली को सजाने के लिए लंबे समय से काम कर रही है। हमने एयरपोर्ट से मोती बाग, राजघाट के पास, हौजखास के पास सड़कों का सौंदर्यीकरण करवाया है और आज हर कोई यहां घूमना चाहता है।

रैपिडएक्स के स्टेशनों पर सुरक्षाकर्मी और कंप्यूटर ऑपरेटर हुए तैनात

देश की पहली रीजनल रेल में यात्रियों की सुरक्षा के लिए एनसीआरटीसी की ओर से आधुनिकतम तकनीकों से लैस सुरक्षा व्यवस्था स्थापित की जा रही है। यूपी सरकार ने इस कॉरिडोर में प्रदेश के सभी स्टेशनों की सुरक्षा के लिए उत्तर प्रदेश विशेष सुरक्षा बल (यूपीएसएसएफ) को सौंपी है।

परिवहन विशेष न्यूज

गाजियाबाद। रैपिडएक्स ट्रेनों का संचालन शुरू करने की तैयारियों के बीच एनसीआरटीसी ने दुहाई से साहिबाबाद के बीच प्राथमिक खंड के सभी स्टेशनों पर सुरक्षाकर्मियों और स्टाफ की तैनात कर दी है। यह स्टाफ टिकट काउंटर पर बैठकर उसी तरह प्रैक्टिस कर रहे हैं, जैसे संचालन शुरू होने के बाद यात्रियों को टिकट और देने के दौरान ड्यूटी करनी है। इनके अलावा सुरक्षाकर्मियों की ट्रेनिंग भी पूरी हो गई है।

देश की पहली रीजनल रेल में यात्रियों की सुरक्षा के लिए एनसीआरटीसी की ओर से आधुनिकतम तकनीकों से लैस सुरक्षा व्यवस्था स्थापित की जा रही है। यूपी सरकार ने इस कॉरिडोर में प्रदेश के सभी स्टेशनों की सुरक्षा के लिए उत्तर प्रदेश विशेष सुरक्षा बल (यूपीएसएसएफ) को सौंपी है। इस सुरक्षा बल में तैनात सुरक्षाकर्मियों को ट्रेनिंग दे दी गई है। इसमें उन्हें सुरक्षा उपकरणों के इस्तेमाल की ट्रेनिंग भी दी गई है। एनसीआरटीसी के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी पुनीत वत्स ने बताया कि स्टेशनों पर बने टिकट काउंटर पर भी स्टाफ को भी तैनात कर दिया गया है। उनका कहना है कि यात्रियों के लिए संचालन भले शुरू नहीं हुआ है, लेकिन ट्रेनों को उसी तरह चलाया जा रहा है जैसे उद्घाटन के बाद चलाया जाएगा। पूरा स्टाफ निर्धारित ड्यूटी अवधि में काम कर रहा है।

इंडिया गठबंधन के नेताओं को देश नहीं, अपने परिवार की चिंता - नड्डा

साहिबाबाद। मेरी माटी-मेरा अभियान का शुभारंभ करने के लिए शनिवार को आए भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने राजेंद्रनगर के मैदान और कृष्णा इंजीनियरिंग कॉलेज के सभागार में विपक्ष के इंडिया गठबंधन पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, सोनिया गांधी, अखिलेश यादव, ममता बनर्जी, शरद पवार, लालू यादव और उद्धव ठाकरे को देश नहीं, अपने परिवार की चिंता है। इन सभी नेताओं के दल अपना अस्तित्व बचाने की कोशिश में लगे हैं।

उन्होंने कहा, मुंबई में इकट्ठा हुए लोग भ्रष्टाचार में आकंठ डूबे हैं। कोई रेलवे की जमीन के बदले नौकरी के घपले में फंसा है तो कोई चारा घोटाले में। नेशनल हेराल्ड मामले में मां-बेटा (सोनिया-राहुल) जमानत पर हैं। आजकर मनीष सिसौदिया कहां हैं, सबको पता है। आम आदमी पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा, इन लोगों को दिल्ली से कोई मतलब नहीं। ये लोग तुष्टिकरण की राजनीति का पोषक बन गए हैं।

विपक्ष पर हमले के बाद उन्होंने मोदी सरकार की उपब्धियां गिनाईं। बोले, जिस ब्रिटेन ने हम पर 200 साल राज किया, आज पीएम मोदी के नेतृत्व में उसे पछाड़कर भारत दुनिया की पांचवी अर्थव्यवस्था बन गया है। आटोमोबाइल सेक्टर में देश जापान को पछाड़कर दुनिया में तीसरे और मोबाइल उत्पादन में दूसरे स्थान पर है। पहले मोबाइल मेड इन चाइना होते थे, आज मेड इन इंडिया फोन युवाओं के हाथ में हैं। इलेक्ट्रॉनिक्स सामान के उत्पादन में लगभग 500 प्रतिशत का इजाफा हुआ है। हमारा निर्यात भी बढ़ा है। जेवर में एशिया का सबसे बड़ा एयरपोर्ट बन रहा है। ये विकसित भारत के लक्षण हैं।

2जी से सिर्फ भ्रष्टाचार और जीजाजी आते थे याद

उन्होंने 2जी घोटाले का जिक्र करते हुए कहा कि पहले 2जी बोलते ही भ्रष्टाचार और जीजाजी याद आते थे। कभी भी बेहतर कनेक्टिविटी की बात नहीं होती थी। आज 5जी की बात होती है। आज भारत चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर पहुंचने वाला दुनिया का पहला देश बना है। आज सूर्य का अध्ययन करने के लिए आदित्य एल-1 का लॉन्च हो रहा है। इस बीच भारत माता की जय के उद्घोष से पंडाल गूंज उठा। कार्यक्रम में केंद्रीय राज्यमंत्री सांसद वीके सिंह, राज्यसभा सांसद अनिल अग्रवाल, प्रदेश संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारी सुनील बंसल, मेयर सुनीता दयाल, विधायक सुनील शर्मा मौजूद रहे।

शहीद मोहित शर्मा के घर से ली मिट्टी

जेपी नड्डा ने राजेंद्रनगर में शहीद मेजर मोहित शर्मा के परिवार के सदस्यों से कलश में माटी लेकर मेरी माटी मेरा अभियान का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा, अभियान भारत का एक आह्वान है कि हम आजादी का अमृत महोत्सव मनाकर अमृत वर्ष में प्रवेश कर रहे हैं। इसका उद्देश्य देश के 140 करोड़ लोगों को साथ में जोड़ राष्ट्रभक्तों को याद करना और उनके बताए रास्तों पर चलना है। सरकार ने तय किया है कि हर गांव, वार्ड, पंचायत और ब्लॉक में जहां स्वतंत्रता सेनानी, पुलिस अधिकारी, सेना का जवान, पैरामिलिट्री फोर्स का जवान आतंकवादियों से लड़ते हुए शहीद हुए हों, उनको याद करना है। उनके नाम का शिलापट्ट लगाकर सम्मान करना है। मेजर मोहित शर्मा ने कुपवाड़ा मे आतंकवादियों से लड़ते हुए देश की खातिर अपना सर्वोच्च बलिदान दिया था।

शॉर्ट सर्किट से कार गैराज में लगी आग, बिल्डिंग में ऊपर तक पहुंची लपटें

परिवहन विशेष न्यूज

इंदिरापुरम। वसुंधरा सेक्टर-दो में गणपति रेजीडेंसी अपार्टमेंट के कार गैराज में शनिवार दोपहर अचानक आग लग गई। शॉर्ट सर्किट से आग लगने पर गैराज में खड़ी कार भी जल गई। बिल्डिंग में ऊपर तक आग की लपटें उठने से लोगों के होश उड़ गए। आसपास दुकानों के लोगों ने बाहर की तरफ भागकर जान बचाई। अग्निशमनकर्मियों ने करीब 20 मिनट में आग पर काबू पा लिया। इसमें कोई हताहत नहीं है।

स्थानीय निवासी ने बताया कि गणपति रेजीडेंसी अपार्टमेंट में 32 फ्लैट हैं। भूतल पर बिल्डिंग मालिक ने दुकानें बनाकर किराए पर दी हुई हैं। शनिवार दोपहर करीब 12 बजे कार मैकेनिक के गोदाम में कर्मचारी काम कर रहे थे। दुकान में एक कार भी खड़ी थी। कर्मचारी कार के पहिये खोल रखे थे। इस बीच अचानक आग की लपटें तेजी से ऊपर उठने लगीं। किसी तरह मैकेनिक और कर्मचारी शोर मचाते हुए बाहर की तरफ दौड़े। अग्निशमन कर्मी ने बताया कि गैराज के गेट पर खड़ी क्रेटा कार के तुरंत दो शीशे तोड़कर उसे पीछे कर आग से बचाया। आग तेजी से फैलने पर अपार्टमेंट में धुआं भर गया। फ्लैटों में रहने वाले लोग सीढ़ियों से नीचे की तरफ दौड़े तो कई लोग कमरे का दरवाजा बंद कर ऊपर छत पर पहुंच गए। परेशान और घबराए लोगों ने आग लगने के दौरान बिजली विभाग को फोन करके आपूर्ति बंद करा दी। मुख्य अग्निशमन अधिकारी राहुल पाल ने बताया कि सूचना पर वैशाली स्टेशन ऑफिसर कुंवर सिंह दो गाड़ियां लेकर टीम के साथ पहुंचे। कर्मियों ने आग पर जल्द काबू पा लिया। आग से पहली और दूसरी मंजिल के फ्लैट की बालकनी, दरवाजे व खिड़की पर लगे शीशे टूट गए।

महिंद्रा में ट्वीट किया एक वीडियो जिसमें लैंडर से उतरती दिख रही थार

आनंद महिंद्रा का अनोखा सपना, चांद पर उतारना चाहते हैं थार

परिवहन विशेष न्यूज

देश के जाने-माने उद्योगपति आनंद्र महिंद्रा चांद पर अपनी थार-ई कार को उतारना चाहते हैं। महिंद्रा ने ट्विटर (एक्स) पर एक वीडियो भी शेयर किया है। इस वीडियो में लैंडर से थार-ई चांद की सतह पर उतरती दिख रही है।

नई दिल्ली : चांद के साउथ पोल पर स्पेसक्राफ्ट लैंड कराकर भारत ने इतिहास रचा है। हमारे चंद्रयान-3 (Chandrayaan-3) के विक्रम लैंडर और प्रज्ञान रोवर ने चांद की सतह से कई सारे डेटा जुटाए हैं। अब चांद पर रात होने वाली है, तो विक्रम लैंडर और प्रज्ञान रोवर को 14-15 दिनों के लिए सुला दिया गया है। इसरो ने बताया कि चांद पर रोवर ने अपना काम पुरा कर लिया है। इसे अब सेफ जगह पर पार्क कर स्लीप मोड में डाल दिया गया है। रात के बाद जब चांद पर दिन होगा, तो लैंडर और रोवर को फिर से चालू किया जाएगा। भारत के चंद्रयान-3 की सफलता ने भविष्य के लिए नए दरवाजे खोले हैं। उम्मीद है एक दिन ऐसा भी होगा जब भारत चांद पर इंसान को भेजेगा।

चांद पर थार उतारना चाहते हैं महिंद्रा

महिंद्रा ग्रुप के चेयरमैन आनंद महिंद्रा (Anand Mahindra) तो एक कदम आगे चल रहे हैं। वे चांद पर अपनी पॉपुलर कार थार-ई को उतारना चाहते हैं। महिंद्रा ने रविवार सुबह एक ट्वीट किया। इस ट्वीट में एक छोटी सी वीडियो भी है। यह एक एनिमेशन वीडियो है, जिसमें चांद की सतह पर लैंडर से थार उतरती दिख रही है।

यह किया ट्वीट

आनंद महिंद्रा ने अपने ट्वीट में लिखा, 'हमारी महत्वाकांक्षाओं को उड़ान देने के लिए धन्यवाद इसरो। भविष्य में एक दिन हम चांद की सहत पर विक्रम और प्रज्ञान के बगल में थार-ई को उतरते देखेंगे और असंभव को संभव करेंगे।' महिंद्रा के इस ट्वीट को बड़ी संख्या में लोगों ने लाइक और रिट्वीट किया है।

यूजर्स ने किये ये कमेंट्स

महिंद्रा की पोस्ट पर कई कमेंट्स भी आए। एक यूजर ने लिखा, 'सर आप जिस तरह से इसरो और उसके मिशन को प्रमोट कर रहे हैं, यह सराहनीय है। मुझे उम्मीद है कि और भी लोग आगे आएंगे और ग्रेट इसरो की उपलब्धियों के बारे में लोगों को बताते रहेंगे।' एक दूसरे यूजर ने लिखा, 'मैं शर्त लगा सकता हूं कि थार चांद पर काफी अच्छे से चलेगी।' कई यूजर्स ने महिंद्रा को उनके इस सपने के लिए शुभकामनाएं भी दीं।

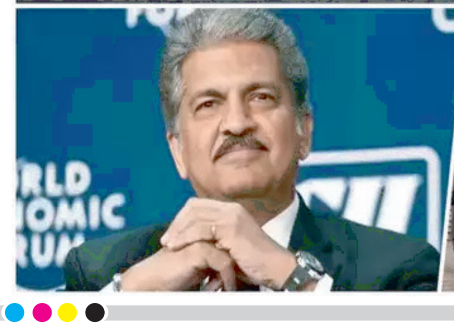

मंडल स्तरीय कराटे प्रतियोगिता के लिए खिलाड़ी चयनित

गाजियाबाद। सुशीला बालिका इंटर कॉलेज में प्रथम क्षेत्रीय और जनपद कराटे प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। प्रतियोगिता में विजेता खिलाड़ियों का चयन मंडल स्तरीय प्रतियोगिता के लिए किया गया। जूनियर वर्ग में अनमोल, सुभांशु, शिवम सिंह, अक्षित, हुमायरा, शिवांगी शिफा, इशु, कोमल और निशिका चयनित हुए। जूनियर बालक वर्ग में सुबोध, प्रियांशु, अर्पित, लक्ष्मण, मुकुल, यश त्यागी और बालिका वर्ग में वैष्णवी, डॉली शर्मा, यशवी सिंह, प्राची, अकांक्षा, प्राची साहू और रेनू चयनित हुईं। सीनियर बालक वर्ग में तनिष्क, मयंक, यश, नंदन कुमार, अमन और बालिका वर्ग में काजल भावना, जिया सिंह, मुस्कान अंसारी, सोनम विश्वकर्मा, तनिषा और शिवानी का चयन हुआ। प्रतियोगिता में 150 छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। प्रधानाचार्य डॉ. अनुपम भारद्वाज ने सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दी।

स्टंट करने वाले दो युवक गिरफ्तार, कार सीज

कौशांबी। पुलिस ने यूपी गेट के पास कार से स्टंट करते युवकों का वीडियो वायरल होने के बाद दोनों को पकड़ लिया। दोनों हुंडई वर्ना गाड़ी से स्टंट कर रहे थे। दोनों की निशानदेही पर कार भी जब्त कर ली है। एसीपी इंदिरापुरम स्वतंत्र कुमार सिंह ने बताया कि कार से स्टंट करने का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। वीडियो कौशांबी का बताया गया था जिसमें दो-तीन युवक लापरवाही से कार चलाते हुए स्टंट कर रहे थे। लोगों की जान को खतरे में डालकर दोनों कार को जहां तहां रोक रहे थे। वीडियो के आधार पर उपनिरीक्षक रीगल कुमार की तरफ से मुकदमा कराया था। दोनों की पहचान हिमांशु और ऋतिक के रूप में हुई। गाड़ी हिमांशु चला रहा था। पूछताछ के दोनों पर कार्रवाई की है।

प्रेमिका के परिजनों ने पीटा तो युवक ने फंदा लगाकर दी जान

लोनी। बॉर्डर थाना क्षेत्र के राहुल गार्डन कॉलोनी में एक युवक ने प्रेमिका के परिजनों की पिटाई से नाराज होकर शुक्रवार रात अपने घर में फंदा लगाकर जान दे दी। मरने से पहले युवक ने अपनी बहन के फोन पर प्रेमिका के साथ के फोटो डाले थे। पिटाई में युवक घायल हुआ था। मृतक के परिजनों ने मामले में पुलिस को शिकायत की है। मूलरूप से हापुड़ में रहने वाले ललित कुमार (26) परिवार के साथ लोनी बॉर्डर थाना क्षेत्र के राहुल गार्डन महेंद्र धामा एंक्लेव कॉलोनी में रहते थे। वह दिल्ली के कश्मीरी गेट के पास मोटर मेकैनिक का काम करते थे। परिवार में बीमार मां प्रेमवती हैं। पिता सुदेश पाल की कुछ समय पहले ही मौत हो गई थी। जीजा लोकेश ने बताया कि ललित करीब पांच साल से दिल्ली के सोनिया विहार कॉलोनी स्थित रहने वाली एक युवती से प्यार करता था। दोनों एक दूसरे से मिलते थे। ललित युवती से शादी करना चाहता था। ललित ने बताया था कि उसने युवती की मांग में सिंदूर भर रखा था। बाद में युवती ने ललित से शादी से इन्कार कर दिया था। बुधवार को ललित दिल्ली में युवती से मिलने गया था। आरोप है कि युवती के परिजनों ने ललित के साथ मारपीट की। प्रेमिका के परिजनों की मारपीट से नाराज होकर ललित ने शुक्रवार रात अपने घर फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना के दौरान परिजन घर में नहीं थे। परिजन जब घर पहुंचे, तो उन्हें घटना के बारे में पता चला। एसीपी रवि प्रकाश सिंह ने बताया कि मामले में जांच की जा रही हैं।

इंस्टाग्राम का बनी निकला शाकिब, पहले से था शादीशुदा

कौशांबी। वैशाली सेक्टर-3 में 31 अगस्त की देर रात जिम रिसेप्शनिस्ट पिंकी गुप्ता (23) की मौत के मामले में एक नया मोड़ सामने आया है। भाभी सोनी का कहना है कि शाकिब ने बनी बनकर पिंकी से दोस्ती की थी। उसकी इंस्टाग्राम आईडी भी इसी नाम से है। वह खुद को कुंवारा बताता था। घटना की रात उन्हें उसके शादीशुदा होने की जानकारी हुई। परिजन अब अधिकारियों से न्याय की गुहार लगा रहे हैं। शनिवार को पिंकी की पोस्टमार्टम रिपोर्ट आई, जिसमें आत्महत्या की पुष्टि हुई है। वहीं, भाई शिवम ने पुलिस पर हत्या की तहरीर बदलवाने का आरोप लगाया है।

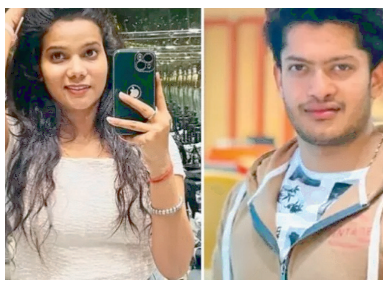

बदायूं जनपद के रहने वाले राजू गुप्ता की बड़ी बेटी पिंकी गुप्ता वैशाली में जिम रिसेप्शनिस्ट का कार्य करती थी। चार साल पहले जिम में उसकी जान-पहचान गाजीपुर के साकिब से हुई थी। दो महीने पहले पिंकी वैशाली सेक्टर-3 में किराए पर रहने लगी थी। जबकि, शाकिब गाजीपुर में रहता था और उससे यहां मिलने आता था। भाई का आरोप है कि पिछले कुछ समय से शाकिब व उसका पिता उनकी बहन पिंकी को बात-बात पर प्रताड़ित करते थे। दोनों आत्महत्या के लिए उकसाते थे। पिंकी ने कई बार घर पर फोन करके मां और पिता को प्रताड़ना के बारे में बताया था। वहीं, भाभी सोनी ने आरोप लगाया कि शाकिब ने पिंकी को अपना नाम बनी बनाया था लेकिन जब उन्हें बनी का धर्म और शाकिब नाम का पता चला तो उन्होंने पिंकी को काफी समझाया था। पिंकी ने अपनी डायरी में लिखा था कि वह शाकिब से प्रेम करती थी। 30 अगस्त की रात पिंकी का शाकिब से फोन पर झगड़ा भी हुआ था। तब पिंकी ने यह बात उन्हें बताई थी।

राखी बंधवाने के लिए बहन के पास गए थे भाई-भाभी

सोनी के मुताबिक, रक्षाबंधन पर पिंकी के पास दो भाई और भाभी गई थीं। तब भी उन्होंने पिंकी को समझाया था। उस दौरान पिंकी उन्हें कमरे में रोककर बात करना चाहती थी लेकिन वह मायके जाने की बात कहकर घर लौट आई थीं। उन्होंने पिंकी से कमरे में मंदिर बनवाने के लिए भी कहा था। इतना ही नहीं, परिजन भी शाकिब को पसंद नहीं करते थे। आरोपी ने पिंकी का ब्रेनवॉश कर दिया था। इस वजह से वह उनकी बात नहीं मानती थी ।

डीसीपी शुभम पटेल का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में आत्महत्या की बात आई है। मामले में आरोपी का गिरफ्तार कर जेल भेजा चुका है। परिजनों के जो भी आरोप हैं उसकी जांच की जा रही है।

महिलाओं ने एसडीएम कार्यालय के बाहर चूल्हा जलाकर बनाया खाना

मोदीनगर। नगर के सीकरी खुर्द और आसपास की कई कॉलोनी की लगभग 18सौ बीघा जमीन को प्रशासन द्वारा शत्रु संपत्ति घोषित करने के विरोध में तहसील मुख्यालय पर चल रहा ग्रामीणों का अनिश्चितकालीन धरना शनिवार को 24वें दिन भी जारी रहा। इस दौरान महिलाओं ने एसडीएम कार्यालय के बाहर चूल्हा जलाकर खाना बनाया। वहीं शनिवार को एक प्रतिनिधिमंडल मेरठ सिवाल खास से विधायक गुलाम मोहम्मद की अगवाई में मेरठ मंडल आयुक्त सेल्वा कुमारी जे से मिला। इस प्रतिनिधिमंडल ने मंडल आयुक्त को विस्तार से बताया कि गलत तरीके से मोदीनगर की 18 सौ बीघा जमीन को शत्रु संपत्ति घोषित कर दिया गया है।

प्रतिनिधिमंडल की ओर से मंडल आयुक्त को रालोद के मुखिया और राज्यसभा सांसद जयंत चौधरी का शत्रु संपत्ति से संबंधित एक पत्र भी दिया गया। मंडलायुक्त ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वासन दिया है कि वह एक सप्ताह के अंदर इस मामले की जानकारी कर इस समस्या का निस्तारण करने का प्रयास करेंगी। प्रतिनिधिमंडल में शत्रु संपत्ति जन संघर्ष मोर्चा के अध्यक्ष बबली गुर्जर, रालोद नेता डॉ. राजकुमार सांगवान, अमरजीत सिंह बिड्डी, रणवीर दहिया, अमित त्यागी और सत्येंद्र तोमर सहित कई शामिल थे। इधर तहसील मुख्यालय पर जारी धरने में क्रमिक अनशन पर शनिवार को पूनम देवी, रेखा, उषा, महेश और सोनू बैठे। महिलाओं ने एसडीएम कार्यालय के बाहर चूल्हा जलाकर खाना बनाया वहां मौजूद लोगों को खिलाया। अध्यक्षता शांति देवी और संचालन तिलकराज ने किया। इस अवसर पर ममता चौधरी, सतवीर प्रजापति, नीरज कौशिक, सुंदर गुर्जर, शकुंतला, सावित्री और मिथलेश आदि मौजूद थे।

नए नाम और लुक के साथ आ रही टाटा नैक्सॉन
क्या बदलेगा और कितनी होगी कीमत, यहां जानें पूरी डिटेल

टाटा मोटर्स ने हाल ही में अपनी Nexon फेसलिफ्ट से पर्दा उठाया था. अब कंपनी Nexon को एक नए अवतार में लाने की तैयारी कर रही है. इसे कंपनी Nexon.ev फेसलिफ्ट नाम से बाजार में उतारेगी. इसका डेब्यू 7 सितंबर को होने वाला है. नेक्सन से पहले .ev मोनिकर का इस्तेमाल टियागो ईवी के साथ कंपनी कर चुकी है.

Nexon.ev में कुछ कास्मेटिक बदलाव भी देखने को मिलेंगे. कंपनी ने जो टीजर जारी किया है उससे पता चलता है कि कार में फुल विड्थ LED बार का इस्तेमाल हेडलाइट के तौर पर किया गया है. कार का फ्रंट Curvv कान्सेप्ट की तरह दिखता है. कार की बाकी डिजाइन भी काफी हद तक कर्व कान्सेप्ट जैसा ही लगता है.

सिंगल बाडी टोन कलर फिनिश

नेक्सन के इस माडल में आपको सिंगल बाडी टोन कलर फिनिश मिलेगी. वहीं इस कार के पेट्रोल वाले वेरियंट में कंट्रास्टिंग ब्लैक फिनिश दी गई है. टीजर में कार का रियर साइड भी दिखाई देता है. रियर यानी पीछे के हिस्से में कोई बदलाव नहीं किया गया है. कार में अलाय व्हील्स को नए डिजाइन के साथ पेश किया जा सकता है.

रेंज के लिए दो विकल्प

टाटा नेक्सन ईवी रेंज के लिए 2 विकल्प में उपलब्ध है. पहले इन्हें प्राइम और मैक्स नाम से सेल किया जाता है. अब इन्हें MR यानी मीडियम रेंज और LR यानी लान्ग रेंज नाम से सेल किया जाएगा. Nexon.ev में कोई मकैनिकल बदलाव देखने को नहीं मिलेगा. Nexon.ev MR 30.2kWh बैटरी के साथ जारी रहेगा और LR को बड़ी 40.5kWh बैटरी मिलेगी. MR की ARAI-अप्रूव्ड रेंज 312 किमी है, जबकि LR की रेंज 453 किमी (MIDC) है. MR में 129hp और 245Nm टॉर्क का आउटपुट होगा, जबकि LR में 143hp और 250Nm का आउटपुट होगा।

हुंडई जल्द ला सकती है Exter का इलेक्ट्रिक वर्जन, टाटा पंच ईवी से होगा मुकाबला

हुंडई ने जुलाई में अपनी Exter को भारतीय मार्केट में लॉन्च किया था। इस कार को लोगों का काफी अच्छा रिसपॉन्स मिला। अब कंपनी इसका इलेक्ट्रिक वर्जन लाने जा रही है, जिसे टेस्टिंग के दौरान सड़कों पर देखा भी गया है। Exter EV मार्केट में टाटा पंच ईवी को...

हुंडई ने जुलाई में अपनी Exter को भारतीय मार्केट में लॉन्च किया था। इस कार को लोगों का काफी अच्छा रिसपॉन्स मिला। अब कंपनी इसका इलेक्ट्रिक वर्जन लाने जा रही है, जिसे टेस्टिंग के दौरान सड़कों पर देखा भी गया है। Exter EV मार्केट में टाटा पंच ईवी को टक्कर देगी।

पावरट्रेन

रिपोर्ट्स के अनुसार, Hyundai Exter EV में 25-30kWh बैटरी पैक दिया जा सकता है और ये लगभग 300 किमी - 350 किमी की रेंज देने में सक्षम हो सकती है। हालांकि कंपनी ने अभी इस बारे में कोई जानकारी नहीं दी है।

Ather 450S और 450X इलेक्ट्रिक स्कूटर भारत में हुए लॉन्च, जानें कीमत, रेंज और फीचर्स

Ather launches three new 450 E scooters पहले की तरह इसमें एलईडी हेडलाइट और हैंडलबार काउल पर लगे टर्न इंडिकेटर्स मिलेगा। यहां तक कि इसकी बॉडीवर्क भी नए 450S और 450X के समान ही कॉम्पैक्ट है। हालांकि साइड लुक में थोड़े बदलाव को देखकर आप बदलाव देख सकते हैं। जो काफी अक्रामक अपील देती है। आइये इन तीनों वेरिएंट के कीमतों के बारे में जानते हैं।

एथर एनर्जी ने अपने लाइनअप में एक नहीं बल्कि तीन नए स्कूटर का अनावरण किया है, जिसें एक 450S और दो 450X के वेरिएंट शामिल हैं। हालांकि नाम अभी भी पहले जैसा है, लेकिन बैटरी पैक और फीचर्स में आपको फर्क दिखेगा। एक तरफ X अब अलग-अलग बैटरी और सुविधाओं के साथ दो वेरिएंट में उपलब्ध है। दूसरी ओर 450S एथर की सबसे किफायती इलेक्ट्रिक स्कूटर के रूप में आई है। आइए एथर 450 की तीनों मॉडल्स पर एक नजर डालें।

Ather लाइन अप में क्या हुआ बदलाव?

नए बदलाव में पहले जैसी डिजाइन और लुक आपको देखने को मिलेगा। पहले की तरह इसमें एलईडी हेडलाइट और हैंडलबार काउल पर लगे टर्न इंडिकेटर्स मिलेगा। यहां तक कि इसकी बॉडीवर्क भी नए 450S और 450X के समान ही कॉम्पैक्ट है। हालांकि साइड लुक में थोड़े बदलाव को देखकर आप बदलाव देख सकते हैं। जो काफी अक्रामक अपील देती है।

Ather 450 के तीनों वेरिएंट में क्या है अंतर?

बैटरी पैक और रेंज में आप भिन्नता पाएंगे। एथर ने 450S को 5.4kW (पीक पावर) मोटर से जुड़ी 2.9kWh बैटरी से लैस किया है। इसमें मैक्सिमम 115 किमी की रेंज और 90 किमी प्रति घंटे की टॉप स्पीड (तीनों मॉडल के लिए समान) मिलती है। Ather 450S को दो बैटरी विकल्प मिलते हैं, जिसमें 2.9kWh और 3.7kWh शामिल हैं। छोटी बैटरी 111 किमी की रेंज देने का दावा करती है और बड़ी यूनिट 150 किमी की रेंज देती है। हालांकि, दोनों केवल 6.4kW मोटर द्वारा संचालित हैं।

कितना लगेगा चार्जिंग टाइम?

450S और 450X (2.9kWh) के लिए चार्जिंग समय आठ घंटे और 36 मिनट है जबकि 450X (3.7kWh) के लिए चार्जिंग समय पांच घंटे और 45 मिनट है।

Ather 450 प्राइस लिस्ट?

एथर 450S की कीमत की बात करें तो इसकी एक्स-शोरूम कीमत 1,29,999 से शुरू है जबकि 450X (2.9kWh) और 450X (3.7kWh) की कीमत क्रमशः 1,38,000 और 1,44,921 (सभी एक्स-शोरूम, बेंगलुरु) है।

इसरो ने काफी संघर्ष किया है तब जाकर अब सफलता का नया इतिहास लिख पा रहा है

योगेंद्र योगी

एक समय ऐसा भी था जब संसाधनों की कमी की वजह से रॉकेटों को बैलगाड़ी से भी ले जाया गया था। 1981 में इसरो को कम्युनिकेशन सैटेलाइट के लिए एक टेस्ट करना था और पेलोड ले जाने के लिए बैलगाड़ी की मदद लेनी पड़ी थी।

चंद्रयान तीन की सफलता की गूंज पूरे विश्व में सुनाई देर ही है। पूरे देश में दीवाली जैसा जश्न मनाया गया, किन्तु इस ऐतिहासिक सफलता के भी पीछे भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) का ऐतिहासिक संघर्ष छिपा हुआ है। क्या आप कल्पना कर सकते हैं जिसकी उपलिब्धयों का लोहा पूरी दुनिया मान रही है, उसके वैज्ञानिक कभी साइकिल और बैलगाड़ियों पर रॉकेट को लादकर प्रक्षेपण स्थल तक ले जाते थे। संघर्ष का ऐसा दौर इसरो के वैज्ञानिकों ने देखा जो आने वाली पीढ़ियों को प्रेरणा देता रहेगा। दूसरे विश्वयुद्ध के बाद से ही रूस और अमेरिका स्पेस का सिकंदर बनने के लिए बेताब हो गए थे। दोनों देश एक दूसरे को पीछे छोड़ने के लिए पैसा पानी की तरह बहा रहे थे। सबसे पहले 1957 में रूस ने अंतरिक्ष में कदम रखा। इसके बाद अमेरिका भी रूस के पीछे-पीछे चांद पर पहंच गया। 1969 में अमेरिका ने अपोलो-11 मिशन पर 2 लाख करोड़ खर्च किए थे। जबकि मंगल तक जाने पर भारत को प्रति किलोमीटर 7 रुपए का खर्च आया था। आम तौर पर ऑटो का किराया इससे ज्यादा होता है, मंगलयान की लागत सिर्फ 400 करोड़ थी। चंद्रयान-3 की लागत मिशन इंपासिबल 7 की लागत का सिर्फ एक चौथाई यानि 25 फीसदी है।

भारत की अंतरीक्ष की दौड़ में आज जो सुनहरा वर्तमान देखने को मिल रहा है, उसकी संघर्ष की कहानी एक मिसाल है। अंतरीक्ष की इस दौड़ में भारत की विजय पताका लहरा रहे भारत के वैज्ञानिकों ने ऐसे दिन भी देखे हैं जब केरल के मछुआरों के गांव थुंबा की एक चर्च के आगे खाली जगह से रॉकेट लॉन्च किया गया था। चर्च के बिशप के घर को प्रयोगशाला बनाया गया था। इससे भी ज्यादा रोमांचकारी बात यह है कि भारत ने पहले रॉकेट के लिए नारियल के पेड़ों को लांचिंग पैड बनाया था। हमारे वैज्ञानिकों के पास अपना दफ्तर नहीं था, वे कैथोलिक चर्च सेंट मैरी मुख्य कार्यालय में बैठकर सारी प्लानिंग करते थे। अब पूरे भारत में इसरो के 13 सेंटर हैं। भारत की स्पेस की दुनिया में हिंदुस्तान का सफर केरल के तट थुंबा से हुआ था। भारत ने 21 नवंबर 1963 को अपने पहले साउंडिंग रॉकेट को लॉन्च किया था। उस वक्त दुनिया के किसी देश ने कल्पना भी नहीं की थी कि भारत एक दिन अंतरिक्ष में ऐसी उड़ान भरेगा जो सबके लिए मिसाल बन जाएगी। उस समय देश में ट्रांसपोर्टेशन के पर्याप्त साधन तक नहीं थे। जिसकी वजह से रॉकेट के हिस्से को साइकिल की मदद से लॉन्चिंग की जगह पर पहुंचाया गया था। पहले रॉकेट के कुछ हिस्सों को साइकिल पर भी ले जाया गया था।

एक समय ऐसा भी था जब संसाधनों की कमी की वजह से रॉकेटों को बैलगाड़ी से भी ले जाया गया था। 1981 में इसरो को कम्युनिकेशन सैटेलाइट के लिए एक टेस्ट करना था और पेलोड ले जाने के लिए बैलगाड़ी की मदद लेनी पड़ी थी। इसके अलावा भारत के पहले रॉकेट के लांच के समय भारतीय वैज्ञानिक हर रोज तिरुअनंतपुरम से बसों में आते थे और रेलवे स्टेशन से दोपहर का खाना खाते थे। केरल के थुंबा से पहला रॉकेट लॉन्च होने के 6 साल बाद डॉ. विक्रम साराभाई ने 15 अगस्त 1969 को इसरो की स्थापना की थी। भारत में अंतरिक्ष अनुसंधान के लिए सर्वप्रथम 1962 में तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू और उनके करीबी सहयोगी और वैज्ञानिक विक्रम साराभाई के प्रयासों से भारतीय राष्ट्रीय समिति की स्थापना की गई थी, जिसके अध्यक्ष विक्रम साराभाई थे। बाद में सन-1969 में डॉ. विक्रम साराभाई ने स्वतंत्रता दिवस के दिन भारतीय राष्ट्रीय समिति के स्थान पर भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन की स्थापना की थी। डॉ. विक्रम साराभाई को भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम का जनक भी कहा जाता है।

1971 में श्रीहरिकोटा में स्पेस सेंटर बना था, जिसे आज सतीश धवन अंतरिक्ष सेंटर के नाम से जाना जाता है। अब यहीं से सभी सैटेलाइट्स को लॉन्च किया जाता है। 19 अप्रैल 1975 को इसरो ने अपना पहला सैटेलाइट आर्यभट्ट लॉन्च किया। 1977 में सैटेलाइट टेलीकम्युनिकेशन एक्सपेरिमेंट प्रोजेक्ट शुरू हुआ, जो टीवी को गांव-गांव तक लेकर गया। इन्हीं मुश्किलों में हमारे वैज्ञानिकों ने पहला स्वदेशी उपग्रह एसएलवी-3 लांच किया था। यह 18 जुलाई 1980 को लांच किया गया था। दिलचस्प बात यह है कि इस प्रोजेक्ट के डायरेक्टर पूर्व राष्ट्रपति डॉक्टर अब्दुल कलाम थे। इस लांचर के माध्यम से रोहिणी उपग्रह को कक्षा में स्थापित किया गया। 1981 में इसरो का पहला कम्युनिकेशन सैटेलाइट लॉन्च हुआ। जब कारगिल युद्ध में दुश्मन की लोकेशन का पता लगाने के लिए अमेरिका के जीपीएस की जरूरत पड़ी थी तब अमेरिका ने मदद से साफ इंकार कर दिया और तब हिंदुस्तान ने ठाना था कि वे अब अपना जीपीएस बनाकर रहेगा।

आज भारत उन चुनिन्दा देशों में शामिल है, जिनके पास अपना खुद का नेविगेशन सिस्टम है। इसी तरह एक दौर ऐसा भी था जब भारत को रूस ने अमेरिका के दबाव में आकर क्रायोजेनिक रॉकेट टेक्नोलॉजी देने से मनाकर दिया था। लेकिन भारत के वैज्ञानिकों ने ना सिर्फ स्वदेशी तकनीकि विकसित की बल्कि आज इसकी मदद से एक साथ दर्जनों सैटेलाइट अंतरिक्ष में भेज रहा है। इस लॉन्चिंग के साथ भारत ग्लोबल कॉमर्शियल मार्केट में एक मजबूत प्लेयर बनकर उभरा है। चंद्रयान-3 की उपलब्धि से निश्चित तौर पर देश में अंतरिक्ष के लिए विदेश निवेश का आकर्षित होगा। भारत अमेरिका सहित अन्य देशों की तुलना में बेहद कम कीमत पर सैटेलाइट लांचिंग का बेताज बादशाह बन चुका है।

संपादक की कलम से

विपक्षी दलों की तुष्टिकरण वाला असली चेहरा

अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों की मांग को पूरा करने के लिए, एक निर्जन द्वीप बंगाराम के रिसॉर्ट्स में शराब परोसी जाती है। प्रशासन ने द्वीप पर बनने वाले नए पांच सितारा होटलों में शराब की अनुमति देने का प्रावधान किया है। ड्राफ्ट बिल में एक्साइज कमिश्नर की पोस्टिंग का प्रस्ताव है। विपक्षी दल वोट बैंक को पाने के लिए कोई भी मौका हाथ से नहीं जाने देना चाहते। बेशक इसके लिए उन्हें भेदभाव, धर्म-जाति और अन्य ऐसे ही मुद्दों का सहारा क्यों ना लेना पड़े। विपक्षी दलों की इसी छद्म नीति को भारतीय जनता पार्टी उजागर करती रही है। केंद्र शासित लक्षद्वीप में विपक्षी दलों का यही चेहरा सामने आया है। विपक्षी दल इस प्रदेश में शराबबंदी हटाने के प्रस्ताव का विरोध कर रहे हैं। विपक्षी दलों का यह विरोध अल्पसंख्यक वोट बैंक को रिझाने के लिए है। जबकि लक्षद्वीप प्रशासन पर्यटकों की सुविधा और मांग के मद्देनजर इस प्रदेश में शराबबंदी हटाने के प्रस्ताव पर विचार कर रहा है। लक्षद्वीप प्रशासन ने एक मसौदा उत्पाद शुल्क विनियमन विधेयक प्रकाशित किया है और द्वीपसमूह में शराब की बिक्री और खपत की अनुमति देने पर स्थानीय निवासियों से सुझाव मांगे हैं। कांग्रेस, एनसीपी और अन्य विपक्षी दल इस प्रस्ताव के विरोध पर आमदा हैं। विपक्षी दलों की दलील है कि लक्षद्वीप की 97 प्रतिशत आबादी मुस्लिम है जो मानते हैं कि शराब का सेवन उनकी संस्कृति और धार्मिक परंपरा के खिलाफ है। सन 1979 में द्वीपों में शराब की बिक्री पर प्रतिबंध लगा दिया गया था।

गौरतलब है कि विपक्षी एकता इंडिया के प्रमुख घटक समाजवादी पार्टी और उसके समर्थित मुस्लिम संगठनों ने मथुरा में शराब और मांस की बिक्री प्रतिबंधित करने के योगी सरकार के निर्णय का विरोध किया था। योगी सरकार के इस फैसले के खिलाफ इलाहाबाद उच्च न्यायालय में एक मुस्लिम सामाजिक कार्यकर्ता ने शाहिदा याचिका दायर की थी। हाईकोर्ट ने मथुरा-वृंदावन के 22 वार्डों में प्रदेश सरकार द्वारा शराब व मांस की बिक्री पर रोक लगाने के खिलाफ दाखिल जनहित याचिका खारिज कर दी। कोर्ट ने याचिका खारिज कर कहा था कि, भारत विविधताओं का देश है। अगर देश में एकता बनाए रखना है तो सभी समुदायों और धर्मों का समादर बहुत जरूरी है। हमारे देश में विविधताओं के बावजूद एकता यहां की खूबसूरती है।

वर्ष 2016 में बिहार में शराब पर प्रतिबंध लगाने के बाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने उत्तर प्रदेश में पूर्ण शराबबंदी की वकालत की थी, जिस पर सत्तारुढ़ समाजवादी पार्टी ने तुरंत आलोचना की। समाजवादी पार्टी ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर राज्य के खिलाफ नकारात्मक टिप्पणियां₹ करने और इस तरह ₹सांप्रदायिक ताकतों को मजबूत करने₹ का आरोप लगाया था। समाजवादी पार्टी की दलील थी कि सरकार के खिलाफ उनकी टिप्पणियों से सांप्रदायिक ताकतों को बढ़ावा मिलेगा, जिनके खिलाफ उत्तर प्रदेश सरकार लड़ रही है। यह अलग बात है कि ऐसे संवेदनशील मुद्दों पर एक-दूसरे को गरियाने के बावजूद दोनों ही दल अब जोर-शोर से विपक्षी एकता की कवायद में जुटे हुए हैं।छद्म धर्मनिरपेक्षता का आलम यह है कि इसमें राजनीतिक दल ही नहीं अभिनेता भी पीछे नहीं हैं। लक्षद्वीप के कट्टरपंथी मुसलमानों ने 'अनारकली' की शूटिंग नहीं होने दी, पर अभिनेता पृथ्वीराज के लिए वहाँ सब चंगा था। लक्षद्वीप के 'बहुसंख्यकों' के बचाव में शराब की दुकानें खोले जाने के विरोध में मलयाली अभिनेता पृथ्वीराज सुकुमारन भी सामने आए थे, जिन्हें खुद इसी द्वीप के कट्टरपंथियों द्वारा अपनी ही फिल्म 'अनारकली' के शूटिंग के पीछे काफी विरोध का सामना करना पड़ा था। निश्चित तौर पर मद्यपान के नुकसान सर्वविदित हैं। लेकिन सिर्फ एकतरफा धर्म और संस्कृति के आधार पर वोट की खातिर इस मुद्दे का समर्थन या विरोध करना विपक्षी दलों की असलियत को उजागर करता है।

राय

संसद में सियासी जमाखोरी

इस अविश्वास ने संसद की भाषा और सदन की मर्यादा को अवश्य ही जनता के सामने बेनकाब कर दिया। जिसे हम लोकतंत्र का मंदिर कहते-कहते भारत को पारंगत करते थे, वहीं अविश्वास प्रस्ताव ने कुछ तो स्तर और सारांश गिरा दिया। संसदीय बहस के इतिहास में क्रिकेट के चौके-छक्के मारने का सरकारी पक्ष नाद कर सकता है या उस नारेबाजी का अभिनंदन करें जिसे प्रधानमंत्री स्वयं आहूत करते रहे। संसद के भीतर सियासी नफरतों के इतने पल तो रहे हैं कि अगर देश चारित्रिक या नैतिकता के हिसाब से डूबना चाहे, तो तसल्ली से डूब सकता है। क्या यह राष्ट्रीय मंचन था या राष्ट्रीय मंथन, जहां देश की फटेहाली अपने आवरण को सिल पाई या बहस किसी द्रौपदी को दरबार में ढूंढ रही थी। वहां मुगालते थे, मुचलके भी थे, लेकिन कोई निर्दोष साबित नहीं हो पाया। अभी तक मणिपुर कहीं मणिपुर में सिसक रहा था, लेकिन देश ने लोकतंत्र की छत के नीचे उसे बिलखते देखा, तो मंजर इनका भी था, उनका भी कसूर था। वहां किसने देखा कि बाहर टमाटर की कीमत से हर मतदाता के गाल लाल हो चुके हैं। वहां किसने गौर किया कि देश में पढने के गुनाह से पीढियां बेरोजगार हो गईं। हम यह तो न देखना चाहते थे और न ही सुनना कि हमारे नेतृत्व की शान में शब्द बेशर्म और संदर्भ निर्लज्ज हो जाएं। वैसे देश का सबसे बड़ा संदर्भ क्या चुनाव मान लिया जाए और अगर ऐसा ही है, तो जरूर वहां सत्ता पक्ष जीत गया। वहां मुनादी हो गई और राजनीति की जमाखोरी भी हमारी नजरों के सामने, लोकतंत्र के चीरहरण के बीच हमें चुनाव के नजारे दिखाती रही। हमें मालूम हो गया कि देश की सबसे बड़ी जरूरत चुनाव है और यह साबित भी हो गया कि अब सरकार ही चुनाव है। सरकार जब भी बोलती है तो चुनाव बोलती है।

आखिर किस चुनाव को सत्य मानें। वह जो हमारे जैसे मतदाताओं के भ्रम बढ़ा देता है या हमें भ्रम में रहना सिखा देता है। हम संसद के लिए मकड़ी हो जाएं या संसदीय बहस के मकडज़ाल में घिनौना सब्र कर जाएं। हम भारतीय कर भी क्या सकते, यहां तो भारत किसी के हिस्से में आ रहा है और 'इंडिया' परेशान दिखाई दे रहा है। हमने आजादी को जिन निगाहों से देखा, आज देश भी यह समझ नहीं पा रहा कि चुनाव में निजात पाएं भी तो किससे। जो यहां है, कल वहां होंगे और जो वहां होंगे उन्हें पवित्र बताया जाने की व्यवस्था हो गई। आखिर कब तक हम अतीत के कूड़ेदान को संसद के बचाव में काम आते देखेंगे और कब एक ही भाषण और एक ही मुद्दे का रिपीट टेलिकास्ट देखते रह जाएंगे। अविश्वास प्रस्ताव एक फेरी लगा गया और संसद में कोई देश के एक सौ चालीस करोड़ लोगों की खरीददारी में लग गया। वहां बहस में न पक्ष और न विपक्ष, बल्कि देश की लोकतांत्रिक परंपराएं बिक रही थीं। मीडिया भी इस खरीददारी में यही देखता रहा कि क्या उसका 'स्वामी' बहुत कुछ खरीदकर जीत गया। यह जीत अगर मीडिया को मुबारक लगती है, तो लोकतंत्र के इस स्तंभ के घुटने टूट चुके हैं और रीढ़ को वफादारी ने खरीद लिया है। आखिर आम जनता को अगर संसद की अविश्वास फिल्म पसंद नहीं आई, तो वह इस शिकायत को अपना भाग्य मान ले, क्योंकि इससे बेहतर होने की उम्मीद में देश की परिस्थितियां दिखाई नहीं दे रहीं। क्या संसद से बड़े प्रश्न और मजमून अब सडक़ पर आएंगे और अगर ऐसा होता है, तो जनता का मत ही बताएगा कि किसका विश्वास-किसका अविश्वास है उसे।

'एक देश एक चुनाव' विचार का विरोध करने की बजाय इससे देश को होने वाले लाभ को देखें

प्रो. संजय द्विवेदी

सिर्फ खर्च ही नहीं, बल्कि अन्य कई दृष्टि से भी 'एक देश एक चुनाव' का विचार काफी फायदेमंद है। इसमें प्रशासनिक तंत्र और सुरक्षा बलों पर बार-बार पड़ने वाला बोझ कम होगा, जिससे वे चुनावी गतिविधियों से बचा समय दूसरे उपयोगी कामों को दे सकते हैं।

अब जबकि पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के नेतृत्व में 'एक देश एक चुनाव' पर विचार हेतु केंद्र सरकार ने एक समिति बना दी गई है, तब यह मुद्दा बहुत विचारणीय हो गया है। स्वस्थ, टिकाऊ और विकसित लोकतंत्र वही होता है, जिसमें विविधता के लिए भरपूर जगह होती है, लेकिन विरोधाभास नहीं होते। माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भविष्योन्मुखी दृष्टि वाले नेतृत्व में विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र भारत धीरे-धीरे इसी दिशा में आगे बढ़ रहा है। 'एक देश-एक टैक्स' की सफलता ने इस बात को सही साबित किया है। अब तक देश के लगभग एक तिहाई राज्यों में लागू हो चुके 'एक नेशन-एक राशन' कार्यक्रम के ऐसे ही सकारात्मक परिणाम मिल रहे हैं। इसी प्रकार, एक देश-एक कानून (यूनिफॉर्म सिविल कोड) लागू किए जाने के विचार को भी जनता के एक विशाल वर्ग का अपार समर्थन मिल रहा है।

'एक देश-एक चुनाव' लोकसभा और राज्यों की विधानसभाओं का चुनाव एक साथ करवाने का एक नीतिगत उपक्रम है। इसे समझने के लिए हमें चुनाव की प्रक्रिया को समझना होगा। हमारे देश में केंद्र और सभी राज्यों में, केंद्र शासित प्रदेशों को छोड़कर, जनता द्वारा चुनी हुई सरकारें कार्य करती हैं। इनका कार्यकाल पांच वर्ष का होता है। ये कार्यकाल, किसी भी महीने पूरा हो सकता है। जब किसी निर्वाचित सरकार का पांच साल का कार्यकाल पूरा हो जाता है, तो उस राज्य में अथवा केंद्र में एक निर्धारित अवधि के अंदर नए चुनाव कराना आवश्यक होता है, ताकि वहां नई सरकार गठित की जा सके और देश और उस प्रदेश का काम फिर से सुचारू ढंग से चलना सुनिश्चित किया जा सके।

चुनावों की प्रक्रिया को निर्बाध व निष्पक्ष ढंग से सम्पन्न कराने के लिए, काफी बड़े तंत्र व खर्च की आवश्यकता होती है। जितने ज्यादा चुनाव, उतनी ही ज्यादा व्यवस्था। 2023 को ही लें। इस साल राजस्थान, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, कर्नाटक, तेलंगाना, जम्मू-कश्मीर, त्रिपुरा, मेघालय, नागालैंड और मिजोरम समेत देश के दस राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं (इनमें से कुछ राज्यों में इस साल चुनाव हो चुके हैं)। इनमें कितने समय, धन और व्यवस्था की जरूरत पड़ेगी, इसका अंदाजा लगाना कोई मुश्किल काम नहीं है। ऊपर से, इन चुनावों के खत्म होते-होते लोकसभा चुनावों की गहमागहमी शुरू हो जाएगी। अब सोचिए कि अगर इन राज्यों के और लोकसभा के चुनाव एक साथ कराने की व्यवस्था की जा सके तो कितना देश का कितना समय और धन बचेगा।

आज अगर हम देश के राजनीतिक परिदृश्य पर नजर डालें, तो पायेंगे कि हर वर्ष देश को कोई न कोई हिस्सा चुनावमय बना रहता है। लेकिन, शुरुआत में ऐसा नहीं था। देश के पहले आम चुनावों से लेकर अगले पंद्रह सालों तक, 1952, 1957, 1962, 1967 में चार बार लोकसभा चुनाव हुए और हर बार राज्यों की विधानसभाओं के चुनाव भी इनके साथ-साथ ही करवाए गए। लेकिन, जब 1968-69 में अलग-अलग कारणों से कुछ राज्यों की विधानसभाएं उनका कार्यकाल खत्म होने से पहले ही भंग कर दी गईं, तो यह सिलसिला बाधित हो गया। यहां तक कि पहली बार लोकसभा चुनाव भी समय से पहले ही करवा लिए गए। चौथी लोकसभा का कार्यकाल 1972 तक था, लेकिन आम चुनाव इसके पूरा होने से पहले ही 1971 में करा लिए गए।

इससे समझा जा सकता है कि अगर राज्यों के विधानसभा चुनाव और आम चुनाव एक साथ आयोजित कराने की बात की जा रही है तो इसमें कुछ भी ऐसा नहीं है, जिस पर आपत्ति की जानी चाहिए। लेकिन, जब भी केंद्र में सत्तासीन एनडीए सरकार, एक बार फिर इस व्यवस्था की बहाली की बात करती है तो विपक्ष इस तरह मुखर हो उठता है कि जैसे उसे किसी भी हाल में यह नहीं होने देना है। भाजपा विरोधी कुछ दल इसे भाजपा का 'सत्ता का केंद्रीकरण करने की योजना' कहकर इसका विरोध जारी रखे हैं, जबकि सच तो यह है कि 'एक देश, एक चुनाव' की अवधारणा काफी पुरानी है। इस विषय पर संविधान समीक्षा आयोग, विधि आयोग, चुनाव आयोग और नीति आयोग जैसे प्रभावशाली संस्थानों की राय भी काफी सकारात्मक है। अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मजबूत नेतृत्व में राजग सरकार, राष्ट्रहित में इस विचार को और अधिक लटकाए न रखकर एक ठोस व साकार रूप देना चाहती है।

25 साल से जारी है विचार

विशेषज्ञ लंबे समय से 'एक राष्ट्र एक चुनाव' पर अपनी राय व्यक्त करते रहे हैं। वर्ष 1999 में विधि आयोग ने अपनी 170वीं रिपोर्ट में लोकसभा और विधानसभाओं के चुनावों को एक साथ कराने का समर्थन किया था। रिपोर्ट का एक पूरा अध्याय इसी मुद्दे पर केंद्रित है। चुनाव सुधारों पर विधि आयोग की इस रिपोर्ट को देश में राजनीतिक प्रणाली के कामकाज पर अब तक के सबसे सटीक दस्तावेज़ों में से एक माना जाता है। मजबूत केंद्र एवं शक्तिशाली नेतृत्व के प्रबल पक्षधर, तत्कालीन गृहमंत्री और उपप्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी ने इसे राजनीतिक स्तर पर प्रमुखता से उठाया था। वर्ष 2003 में, अपने प्रधानमंत्री कार्यकाल के दौरान अटल बिहारी वाजपेयी ने भी इस प्रस्ताव का समर्थन किया था। 'एक राष्ट्र एक चुनाव' को लेकर भाजपा की इच्छाशक्ति और प्रतिबद्धता, पार्टी के 2014 और 2019 के घोषणापत्रों में भी देखी जा सकती है। दूसरी बार सत्ता संभालने के महज एक ही महीने बाद, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 19 जून 2019 को इस पर चर्चा के लिए एक सर्वदलीय बैठक बुलाई थी। इसके लिए आमंत्रित 40 दलों में से 21 दलों के नेता इस विमर्श में भाग लेने के लिए प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में रखी गई इस बैठक में शामिल हुए। बैठक में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के नेतृत्व में एक कमेटी गठित करने का निर्णय लिया गया, जिससे इस मुद्दे पर आम सहमति बनाई जा सके और इसके काम करने के तरीकों की व्यवहारिकता और संभावनाओं को लेकर एक रिपोर्ट तैयार की जा सके।

समय की मांग है 'एक देश, एक चुनाव'

इसके पीछे सबसे बड़ा उद्देश्य तो यही है कि राजकोष पर पड़ने वाले चुनावी खर्च के बोझ को कम से कम किया जाए, जो पिछले कुछ दशकों में लगातार बढ़ता ही गया है। इसके अलावा थोड़े-थोड़े अंतराल के बाद होने वाले चुनावों के दौरान आचार संहिता लागू हो जाने से बहुत सारे विकास कार्य और जनहित कार्यक्रम बाधित होते हैं, इससे भी बचा जा सकेगा।

अगर हम खर्च की ही बात करें तो पिछले पैटर्न को देखते हुए हम पाएंगे कि पहले आम चुनावों से लेकर पिछले आम चुनावों तक उम्मीदवारों की संख्या करीब पांच गुना बढ़ी है, लेकिन चुनावों पर आने वाला खर्च पांच हजार गुना से भी ज्यादा हो गया है। 1951-52 में जब पहले लोकसभा चुनाव हुए थे, तो इनमें 53 राजनीतिक दल चुनावी समर में उतरे थे। इन चुनावों में 1874 उम्मीदवारों ने चुनाव लड़ा और खर्च आया कुल 11 करोड़ रुपए। अब 2019 के लोकसभा चुनावों को देखते हैं। इनमें कुल 9000 उम्मीदवारों ने चुनाव लड़ा और खर्च था लगभग 60 हजार करोड़ रुपए। यानि हर लोकसभा क्षेत्र पर औसतन 110 करोड़ का खर्च। जबकि 2014 के आम चुनावों पर इसका आधा ही यानी लगभग 30 हजार करोड़ रुपए खर्च आया था।

अब देश में विधानसभा सीटों की बात करते हैं। सभी राज्यों में कुल मिलाकर विधानसभा की चार हजार से अधिक सीटें हैं। मोटे-मोटे तौर पर एक लोकसभा क्षेत्र में करीब आठ विधानसभा सीटें आती हैं। अगर हम 2019 के आम चुनावों के खर्च को विधानसभा चुनावों के परिप्रेक्ष्य में देखें, तो यह लगभग 15 करोड़ रुपए प्रति विधानसभा सीट बैठता है। मान लीजिए कि एक लोकसभा सीट और उसके अंतर्गत आने वाली आठ विधानसभा सीटों के लिए दो अलग-अलग समय पर चुनाव होते हैं। ऐसे में यह खर्च दोगुना हो जाएगा। लेकिन, अगर हम इन्हीं चुनावों को एक साथ करायें तो इस खर्च को काफी हद तक कम किया जा सकता है। इससे जो धन राशि बचेगी, उसका उपयोग शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण, पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित कराने जैसे कार्यों में किया जा सकता है, जिससे लोगों के जीवन स्तर में सुधार आएगा।

चुनौतियां भी कम नहीं

सिर्फ खर्च ही नहीं, बल्कि अन्य कई दृष्टि से भी 'एक देश एक चुनाव' का विचार काफी फायदेमंद है। इसमें प्रशासनिक तंत्र और सुरक्षा बलों पर बार-बार पड़ने वाला बोझ कम होगा, जिससे वे चुनावी गतिविधियों से बचा समय दूसरे उपयोगी कामों को दे सकते हैं। मतदाता सरकार की नीतियों को केंद्र व राज्य दोनों स्तर पर परख सकेंगे। बार-बार चुनाव होते रहने से शासन-प्रशासन के कार्यों में जो बाधाएं आती हैं, उनसे बचा जा सकेगा। साथ ही एक निश्चित अंतराल के बाद चुनाव कराए जाएंगे तो जनता को भी राहत मिलेगी और राजनीतिक दलों, चुनाव आयोग, चुनावों में सुरक्षा व्यवस्था संभालने वाली एजेंसियों को इनकी तैयारी के लिए पर्याप्त समय मिल सकेगा।

हालांकि, इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता कि भारत जैसे विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र में इस राह में बहुत सारी चुनौतियां भी सामने आ सकती हैं। इनमें सबसे बड़ी समस्या तो लोकसभा और विधानसभाओं के कार्यकाल के बीच सामंजस्य स्थापित करने की है। अगर हम 2024 के आम चुनावों को ही लें तो देश के करीब आधे राज्यों की विधानसभाएं इन चुनावों के दौरान ऐसी होंगी, जिन्होंने अपना आधा कार्यकाल भी पूरा नहीं किया होगा। ऐसे में उन्हें बीच में भंग कर नए चुनाव कराना बहुत सारे राजनीतिक विवादों का सबब बन सकता है।

मान लीजिए कि राजनीतिक दल आपसी सहमति से इसके लिए तैयार भी हो जाते हैं, तो इस विचार को व्यावहारिक धरातल पर उतारने के लिए कई विधानसभाओं के कार्यकाल को घटाना पड़ेगा और कई के कार्यकाल को बढ़ाना पड़ेगा। और इसके लिए संविधान में अनेक संशोधनों की आवश्यकता होगी। जैसे कि अनुच्छेद 83, जो कहता है कि लोकसभा का कार्यकाल उसकी पहली बैठक की तिथि से पांच वर्ष होगा और अनुच्छेद 172, जो यही प्रावधान विधानसभा के लिए निर्धारित करता है। इसके अलावा जनप्रतिनिधित्व अधिनियम और संसदीय प्रक्रिया में भी बदलाव करना होगा। लेकिन, अगर इरादा पक्का हो और राजनीतिक इच्छाशक्ति मजबूत हो तो कुछ भी असंभव नहीं है।

दक्षिण अफ्रीका, इंडोनेशिया, जर्मनी, स्पेन, हंगरी, स्लोवेनिया, अल्बानिया, पोलैंड, बेल्जियम जैसे दुनिया के कई ये देश हैं, जो केंद्र और राज्यों के चुनाव एक साथ ही कराते हैं, ताकि उनके विकास की गति बाधित न हो। भारत इन देशों के अनुभवों का लाभ उठा सकता है।

प्रो. (डॉ.) संजय द्विवेदी
पूर्व महानिदेशक, भारतीय जन संचार संस्थान, नई दिल्ली

मुकेश अंबानी की जियो फाइनेंशियल को लेकर आई बड़ी खबर, सोमवार को शेयरों पर दिखेगा सीधा असर

परिवहन विशेष न्यूज

बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) ने मुकेश अंबानी की नई कंपनी जियो फाइनेंशियल सर्विसेज के शेयर के लिए सर्किट सीमा को 5 फीसदी से बढ़ाकर 20 फीसदी कर दिया है। जियो फाइनेंशियल सर्विसेज के शेयर बाजार में बीते 21 अगस्त को लिस्ट हुए थे। बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि यह शेयर अगले सप्ताह 'ट्रेंड-टू-ट्रेंड' खंड से बाहर हो जाएगा।

नई दिल्ली। देश के प्रमुख इंडेक्स बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज यानी बीएसई ने मुकेश अंबानी की नई कंपनी जियो फाइनेंशियल सर्विसेज (Jio Financial Services) की सर्किट लिमिट में बदलाव कर दिया है। बीएसई ने मुकेश अंबानी की अगुवाई वाले रिलायंस समूह की अलग हुई गैर-बैंकिंग वित्तीय सेवा इकाई जियो फाइनेंशियल सर्विसेज के शेयर के लिए सर्किट सीमा को 5 फीसदी से बढ़ाकर 20 फीसदी कर दिया है। बीएसई द्वारा जारी एक अधिसूचना के मुताबिक, नई बढ़ी हुई सर्किट लिमिट सोमवार यानी 4 सितंबर 2023 से लागू होगी। इस कदम से यह सुनिश्चित होगा कि एक सत्र में कंपनी के शेयर के भाव में एक निश्चित सीमा से अधिक का उतार-चढ़ाव नहीं आए।

इसके अलावा बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि यह शेयर अगले सप्ताह 'ट्रेड-टू-ट्रेड' खंड से बाहर हो जाएगा। जियो फाइनेंशियल के अलावा रेलटेल और इंडिया पेस्टिसाइड्स सहित नौ कंपनियों के लिए मूल्य दायरे को संशोधित कर 10 प्रतिशत कर दिया गया है।किसी शेयर में अत्यधिक उतार-चढ़ाव को नियंत्रण में रखने के लिए बीएसई द्वारा 'सर्किट' व्यवस्था का इस्तेमाल किया जाता है। यह एक दिन में किसी शेयर में अधिकतम उतार-चढ़ाव की सीमा है।

इसके अलावा, एक सितंबर को जियो फाइनेंशियल के शेयर को बेंचमार्क सेंसेक्स सहित सभी बीएसई सूचकांकों से हटा दिया गया था।मूल कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज से अलग होने के कारण जियो फाइनेंशियल के शेयर 21 अगस्त को शेयर बाजारों में सूचीबद्ध हुए थे।

पहले कंपनी के शेयर को 24 अगस्त को सूचकांकों से हटाया जाना था। बाद में इसे 29 अगस्त तक के लिए स्थगित कर दिया गया था। हालांकि, इसके लगातार निचले सर्किट को छूने की वजह से एक्सचेंजों से इसे हटाने में और देरी हुई। पिछले तीन कारोबारी सत्रों में कंपनी के शेयर में तेजी आई है और इसने ऊपरी सर्किट सीमा को छुआ है।

पिछले महीने कंपनी की सालाना आमसभा में रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने घोषणा की थी कि जियो फाइनेंशियल बीमा क्षेत्र में उतरेगी और यह जीवन, साधारण और स्वास्थ्य बीमा उत्पादों की पेशकश करेगी।

खत्म होने वाला है इंतजार, इस दिन आएगा टाटा टेक्नोलॉजी का आईपीओ, जान लीजिए

टाटा ग्रुप की कंपनी टाटा टेक्नोलॉजी का आईपीओ बाजार में जल्द ही लॉन्च होने जा रहा है। इस आईपीओ के माध्यम से कंपनी 9.57 करोड़ शेयरों की बिक्री करेगी। इसमें 8.11 करोड़ रुपये के शेयर टाटा मोटर्स अपने हिस्से के बेचेंगे। सेबी से आईपीओ को अप्रूवल मिल चुका है।

नई दिल्ली: दिग्गज उद्योगपति रतन टाटा (Ratan Tata) के टाटा ग्रुप की एक और कंपनी का आईपीओ (IPO) बाजार में जल्द ही लॉन्च होने जा रहा है। टाटा ग्रुप का ये आईपीओ करीब 20 वर्षों के बाद आ रहा है। इसका सभी को बेसब्री से इंतजार है। यह आईपीओ टाटा ग्रुप की कंपनी टाटा टेक्नोलॉजी (Tata Technologies IPO) का होगा। टाटा टेक्नोलॉजी (Tata Technologies IPO) ने इस साल मार्च महीने में अपना आईपीओ लाने के लिए सेबी के पास ड्रॉफ्ट पेपर जमा कराए थे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, बाजार नियामक सेबी (SEBI) से टाटा टेक्नोलॉजीज के आईपीओ (Tata Technologies IPO) को एक महीना पहले ही मंजूरी मिल चुकी है।

सेबी से आईपीओ (Initial Public Offering) के लिए अप्रूवल मिलने के बाद से ही निवेशकों के बीच में इसे लेकर काफी उत्साह है। जानकारों के मुताबिक, आईपीओ को सेबी से अप्रूवल मिलने के बाद कंपनी इसके लॉन्च डेट के बारे में एक से दो महीने तक का समय ले सकती है। इसके बाद ही वह आईपीओ के प्राइस बैंड का ऐलान करेगी।

क्या है GMP

ड्रॉफ्ट पेपर के मुताबिक, कंपनी (Tata Technologies) इस आईपीओ (IPO) के माध्यम से करीब 9.57 करोड़ शेयरों की बिक्री करेगी। इसमें से 8.11 करोड़ रुपये के शेयर टाटा मोटर्स (Tata Motors) अपने हिस्से के बेचेगी। वहीं बाकी शेयरों में अल्फा टीसी होल्डिंग्स 97.2 लाख और टाटा कैपिटल ग्रोथ फंड 1 अपनी होल्डिंग से 48.6 लाख शेयरों को बेचेगी। मार्केट एक्सपर्ट्स के मुताबिक, यह आईपीओ अभी सौ रुपये के जीएमपी पर कारोबार कर रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस आईपीओ का प्राइस बैंड कंपनी 280 से 320 रुपये के बीच तय कर सकती है।

इनसाइड

कार्यकाल बढ़ाए बिना कैसे कम करें Home Loan का EMI, क्या है इसका आसान तरीका?

होम लोन का बोझ निश्चित रूप से एक लेनदार के लिए एक बड़ा खर्च है। हर कोई सबसे कम ब्याज दर पर लोन खरीदना चाहता है और निर्माण लोन से जल्द से जल्द छुटकारा पाना चाहता है। हालांकि होम लोन लेने वालों को सबसे ज्यादा नुकसान हुआ है क्योंकि पिछले साल ब्याज दरें बढ़ गई हैं। पढ़िए बिना कार्यकाल बढ़ाए होम लोन की ईएमआई कैसे कम कर सकते हैं।

नई दिल्ली: होम लोन का बोझ निश्चित तौर पर एक लोन लेने वाले ग्राहक के लिए बड़ा खर्च है। सभी लोग लोन को कम से कम ब्याज दर पर खरीदना चाहते हैं और जल्द से जल्द इस होम लोन से छुटकारा चाहते हैं। लेकिन होम लोन लेने वाले ग्राहक पिछले एक साल में ब्याज दरों में भारी वृद्धि के कारण वे सबसे अधिक प्रभावित हुए हैं। होम लोन के लिए ग्राहकों की सबसे पसंदीदा अवधि 20 साल वाले में लोन की ईएमआई में 22 प्रतिशत का उछाल देखा गया है। इस अवधि के लिए ब्याज दरें 7 प्रतिशत से बढ़कर 9.5 प्रतिशत तक हो गई हैं।8 जून को रिजर्व बैंक की मॉनेटरी पॉलिसी समिति ने रेपो रेट को 6.5 प्रतिशत पर अपरिवर्तित छोड़ा था। ऐसे में आज हम आपको बताने जा रहे हैं कि होम लोन की ईएमआई कटवाने का आसान तरीका क्या है।

जब अपने बीमार कुत्ते के लिए रतन टाटा ने ठुकरा दिया था ब्रिटेन के शाही परिवार का अवार्ड, फिर भी

परिवहन विशेष न्यूज

जब अपने बीमार कुत्ते के लिए रतन टाटा ने ठुकरा दिया था ब्रिटेन के शाही परिवार का अवार्ड, फिर भी जीत लिया अंग्रेजों का दिल

नई दिल्ली: देश में उद्योगपति तो कई हैं, कई कारोबारी घराने भी हैं, कईयों ने देश की इकॉनमी को बढ़ाने का काम किया है और कर भी रहे हैं, लेकिन जब नाम रतन टाटा (Ratan Tata) का आता है तो अपने आप दिल से उनके लिए सम्मान की भावना आ जाती है। रतन टाटा सिर्फ़ एक बिज़नेसमैन नहीं हैं, देश के लिए वो एक प्रेरणा है, युवाओं के लिए उनके Idol हैं। इसकी वजह भी है, क्योंकि रतन टाटा ने केवल अपना कारोबार नहीं बढ़ाया बल्कि समाज के लिए काम करते रहे। यहीं तो उनकी खासियत है, जो लोगों के मन में उनके लिए प्यार और सम्मान भर देता है। सिर्फ इंसान ही नहीं रतन टाटा के मन में बेजुबान जानवरों के लिए भी प्यार भरा है। रतन टाटा जिसे अपना मानते हैं, उसके लिए कुछ भी कर गुजरते हैं।

बेजुबानों के लिए रतन टाटा का प्यार

रतन टाटा को जानवरों से बहुत प्यार है। अक्सर वो अपने सोशल मीडिया पेज पर जानवरों के लिए लिखते भी रहते हैं। उन्होंने स्ट्रीट डॉग्स के लिए घर भी बना रखा है। बिज़नेसमैन और कॉलमनिस्ट सुहेल सेठ (Suhel Seth) ने भी रतन टाटा की ज़िन्दगी से जुड़ा एक खास किस्सा शेयर करते हुए बताया कि कैसे उन्होंने अपने कुत्ते के लिए ब्रिटेन के शाही परिवार की ओर से मिलने वाले अवार्ड को ठुकरा दिया। उन्होंने अवार्ड फंक्शन में आने से इंकार कर दिया।

किंग चार्ल्स रतन टाटा को सम्मानित करना चाहते थे

बिज़नेसमैन और कॉलमनिस्ट सुहेल सेठ ने एक इंटरव्यू में बताया कि ब्रिटेन से प्रिंस चार्ल्स रतन टाटा को सम्मानित करना चाहते थे। 6 फरवरी 2018 को उन्हें बकिंघम पैलेस में बुलाकर लाइफ़टाइम अचीवमेंट अवॉर्ड देना चाहते थे। सारी तैयारियां हो चुकी थी। उन्होंने बताया कि मैं 2 फरवरी को ही लंदन पहुंच गया था। फ्लाइट से उतरा को रतन टाटा के 11 मिस्ड कॉल थे। उन्होंने जब कॉल बैक किया तो टाटा वे उनसे कहा कि उनके पालतू कुत्ते टैंगो और टीटो में से एक की तबीयत बहुत खराब हो गई है। वो उसे छोड़कर लंदन नहीं आ सकते। सुहेल सेठ ने रतन टाटा को समझाया कि ये कोई आम अवार्ड नहीं है। प्रिंस चार्ल्स खुद इस अवार्ड फंक्शन को ऑर्गनाइज़ करवा रहे है, लेकिन रतन टाटा नहीं आए।

प्रिंस चार्ल्स ने की तारीफ

अपने बीमार कुत्ते को छोड़कर रतन टाटा नहीं गए। उन्होंने ब्रिटेन के शाही परिवार के अवार्ड से बढ़कर अपने पालतू कुत्ते को महत्व दिया। वो चाहते तो किसी नौकर के भरोसे उसे छोड़ सकते थे, लेकिन रतन टाटा ने ऐसा नहीं किया। जब यह बा प्रिंस चार्ल्स को पता चली तो नाराज होने के बजाए उन्होंने रतन टाटा की तारीफ की। उन्होंने कहा कि रतन टाटा की इसी आदत की वजह से आज टाटा समूह इस मुकाम पर है।

इस छोटे सरकारी बैंक ने बनाया ब्रांच नेटवर्क बढ़ाने का प्लान, देश के हर जिले तक पहुंचने की तैयारी

पंजाब एंड सिंध बैंक की ओर से ब्रांच नेटवर्क विस्तार की योजना बनाई गई है। बैंक के एमडी स्वरूप कुमार साहा का कहना है कि हम अगले तीन वर्षों में बैंक के नेटवर्क को 2000 शाखाओं के पार ले जाएंगे। मार्च 2023 तक बैंक की 1555 शाखाएं थी। हालांकि जून तिमाही नतीजों में बैंक के मुनाफे में सालाना आधार पर 25 प्रतिशत की कमी आई थी।

नई दिल्ली। पंजाब एंड सिंध बैंक की ओर से अगले तीन वर्षों में अपने नेटवर्क को 2000 ब्रांच और इतने ही एटीएम पर ले जाने की योजना बनाई है। बैंक का प्लान इसके जरिए टच प्वाइंट्स और ब्रांड विजिबिलिटी को बढ़ाना है।

समाचार एजेंसी पीटीआई के बातचीत करते हुए पंजाब एंड सिंध बैंक के एमडी स्वरूप कुमार साहा ने बताया कि बैंक का उद्देश्य चालू वित्त वर्ष में 50 शाखाओं को खोलना है और ब्रांच काउंट को 1,600 से अधिक ले जाना है। बैंक ने पिछले वित्त वर्ष में 28 ब्रांच को खोला था और कुल ब्रांच की संख्या 1,555 पर पहुंच गई है।

2000 हो जाएगी ब्रांच नेटवर्क की संख्या

साहा की ओर से बताया गया कि मार्च, 2026 तक बैंक का ब्रांच नेटवर्क 2,000 के आंकड़े को पार कर जाएगा। मौजूदा समय में बैंक 319 जिलों में मौजूद है। बैंक की कोशिश देश के हर जिले में अपनी मौजूदगी दर्ज कराना है।

साथ ही बताया कि हम अपने ऑपरेशन को किफायती बनाने पर कार्य कर रहे हैं, जिससे की लागत को कम कर सके और फीस इनकम को बढ़ा सके। हम एटीएम नेटवर्क के विस्तार पर भी काम कर रहे हैं।

जून तिमाही में गिरा बैंक का मुनाफा

पंजाब एंड सिंध बैंक की ओर से अगस्त की शुरुआत में जून तिमाही के नतीजे जारी किए गए थे। बैंक के मुनाफे में सालाना आधार पर 25 प्रतिशत की गिरावट देखने को मिली है। बैंक का मुनाफा सालाना आधार पर 204.7 करोड़ रुपये से गिरकर 152.6 करोड़ रुपये रह गया है। हालांकि, बैंक की एसेट क्वालिटी में सुधार देखने को मिला है। अप्रैल-जून तिमाही में GNPA और

सोशल मीडिया पर दूसरों को बेवकूफ बना फिनफ्लुएंसर्स कमा रहे करोड़ों रुपये, अब सेबी उठाने जा रहा ये कदम

परिवहन विशेष न्यूज

युवाओं की ट्रेडिंग में बढ़ती संख्या को देखते हुए कई फाइनेंस इन्फ्लूएंसर्स ट्रेडिंग के कोर्स बेचकर बंपर कमाई कर रहे हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर इन फिनफ्लुएंसर की बाढ़ सी आ गई है। अब सेबी इन्हें पंजीकृत कराने के साथ दिशानिर्देशों का पालन कराने की योजना बना रहा है।

नई दिल्ली: देश में बड़ी संख्या में युवा अब ट्रेडिंग की ओर जा रहे हैं। कोरोना महामारी के बाद इसमें काफी इजाफा हुआ है। युवाओं की लगातार बढ़ती संख्या को देख सोशल मीडिया पर फाइनेंसियल इनफ्लुएंसर्स या फिनफ्लुएंसर भी काफी एक्टिव हो गए हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर वित्तीय सलाह देने वाले एक्सपर्ट्स की बाढ़ सी आ गई है। इनमें से ज्यादातर के पास कोई डिग्री भी नहीं है। अब एक नया ट्रेंड सामने आया है। इसमें कई फाइनेंस इनफ्लुएंसर में खुद ट्रेडिंग में नुकसान उठाने के बाद उसे कवर करने के लिए युवाओं को फ्यूचर एंड ऑप्शन के कोर्स बेचकर पैसे वसूल रहे हैं। अब सेबी इन फिनफ्लुएंसर्स पर लगाम लगाने की तैयारी कर रहा है।

निवेशकों तक सटीक और निष्पक्ष जानकारी पहुंचाने के लिए बाजार नियामक सेबी वित्तीय 'इन्फ्लूएंसर' पर अंकुश लगाने जा रहा है। वित्तीय इन्फ्लूएंसर डिजिटल मीडिया, चैनल आदि के माध्यम से लोगों को निवेश के बारे में सलाह देते हैं। दरअसल ऐसा पता चला था कि ये वित्तीय इन्फ्लूएंसर सोशल मीडिया पर एक पोस्ट करने के लिए 7.5 लाख रुपये तक लेते हैं और अपनी राय से लोगों के वित्तीय फैसलों को प्रभावित करते हैं।

हालांकि, अब इन्हें नियामक के दायरे में आना होगा, क्योंकि भारतीय प्रतिभूति एवं विनियम बोर्ड (सेबी) इनकी तेजी से बढ़ती संख्या को नियंत्रित करने की तैयारी कर रहा है।

आनंद राठी वेल्थ के उप मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) फिरोज अजीज ने पीटीआई-भाषा को बताया कि सेबी का प्रस्तावित कदम यह सुनिश्चित करता है कि निवेशकों को सटीक और निष्पक्ष जानकारी मिले। इससे उन्हें धोखाधड़ी से बचाने में भी मदद मिलेगी।

प्रस्ताव के तहत वित्तीय इन्फ्लूएंसर को सेबी के पास अपना पंजीकरण कराना होगा, और विशिष्ट दिशानिर्देशों का पालन करना होगा। इसके अलावा इनके म्यूचुअल फंड और शेयर ब्रोकरों के साथ साझेदारी करने पर भी प्रतिबंध लगाने का प्रस्ताव है।

सोशल मीडिया पर कई इन्फ्लूएंसर अच्छी जानकारी देते हैं, लेकिन इस बात की आशंका बढ़ रही है कि अनियंत्रित इन्फ्लूएंसर जोखिमों को बढ़ा सकते हैं और पक्षपातपूर्ण या भ्रामक सलाह दे सकते हैं।

पुनालुर-मदुरै एक्सप्रेस में कैसे लगी आग, जांच में जुटे रेलवे

दक्षिणी रेलवे ने लखनऊ से रामेश्वरम जाने वाली पुनालुर-मदुरै एक्सप्रेस के प्राइवेट कोच में लगी आग की जांच शुरू की है। यह घटना नौ यात्रियों की मौत के साथ घटी थी। रेलगाड़ी के डिब्बे में आग कैसे फैली इसकी जांच के लिए कम से कम एक महीने का समय लगेगा। हादसे के शिकार नौ लोगों के शव लखनऊ ले जाए गए हैं।

नई दिल्ली: नई दिल्ली: पुनालुर-मदुरै एक्सप्रेस के प्राइवेट कोच में लगी आग से कई सवाल उठने लगे है। कोच में लगी आग लापरवाही का नतीजा है या फिर कुछ और। घटना में हुई लापरवाही का पता लगाने के लिए दक्षिणी रेलवे ने अपनी जांच शुरू कर दी है। लखनऊ से रामेश्वरम जा रही ट्रेन के प्राइवेट कोच में अचानक आग लग गई। इस हादसे नें नौ यात्रियों की मौत हो गई।

दक्षिणी क्षेत्र के रेलवे सुरक्षा आयुक्त ए. एम. चौधरी ने यहां रेलगाड़ी के डिब्बे में आग लगने की घटना की रविवार को जांच शुरू की।चौधरी ने एक सवाल के जवाब में पत्रकारों से कहा कि फिलहाल उन्हें इसमें किसी तरह की साजिश नजर नहीं आती है। उन्होंने कहा कि उन्होंने उन यात्रियों से पूछताछ की, जिनका यहां इलाज किया गया था।

चौधरी ने कहा कि उन्होंने उनके बयान दर्ज किये कि यार्ड में खड़े डिब्बे में आग कैसे फैल गई। उन्होंने कहा कि जांच पूरी करने और अधिकारियों को रिपोर्ट सौंपने में कम से कम एक महीने का समय लगेगा। उन्होंने यहां रेलवे यार्ड में खड़े उस डिब्बे का निरीक्षण किया, जिसमें शनिवार को आग लग गई थी।

तमिलनाडु के मदुरै रेलवे स्टेशन पर रेलगाड़ी के डिब्बे में शनिवार तड़के आग लग गई थी जिसमें नौ लोगों की मौत हो गई थी और आठ अन्य झुलस गये थे। हवाई अड्डे के अधिकारियों के अनुसार, हादसे के शिकार नौ लोगों के शवों को आज हवाई मार्ग से उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ ले जाया गया।

वन नेशन वन इलेक्शन: अधिसूचना से पहले अधीर रंजन चौधरी ने भरी थी हामी! बाद में शाह को पत्र

परिवहन विशेष न्यूज

सरकारी सूत्रों का कहना है कि अधिसूचना जारी होने से पहले कांग्रेस सांसद ने 'एक राष्ट्र-एक चुनाव समिति' का हिस्सा बनने के लिए अपनी सहमति दे दी थी। हालांकि, बाद में कांग्रेस सांसद ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को एक पत्र लिखकर इसका हिस्सा बनने से इनकार कर दिया।

नई दिल्ली। एक देश-एक चुनाव पर केंद्र सरकार ने शनिवार को आठ सदस्यीय समिति का गठन किया था। कानून मंत्रालय ने इसे लेकर एक अधिसूचना भी जारी की थी। इस समिति में कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी का भी नाम था। हालांकि, बाद में उन्होंने इसमें शामिल होने से इनकार कर दिया था। अब मामले में नया दावा किया जा रहा है।

दरअसल, सरकारी सूत्रों का कहना है कि अधिसूचना जारी होने से पहले कांग्रेस सांसद ने 'एक राष्ट्र-एक चुनाव समिति' का हिस्सा बनने के लिए अपनी सहमति दे दी थी। हालांकि, बाद में कांग्रेस सांसद ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को एक पत्र लिखकर इसका हिस्सा बनने से इनकार कर दिया।

केंद्रीय गृह मंत्री को लिखे पत्र में कांग्रेस सांसद ने कहा था कि उन्हें जानकारी मिली है कि देश में लोकसभा और विधानसभा चुनाव एक साथ कराने के लिए उन्हें उच्च स्तरीय समिति में शामिल किया गया है। मुझे इस समिति में काम करने में कोई झिझक नहीं है, लेकिन मुझे डर है कि यह एक छलावा है। आम चुनावों से कुछ महीने पहले गैर व्यवहारिक विचार को देश पर थोपा जा रहा है। सरकार द्वारा अचानक लिया गया यह फैसला सरकार के गुप्त उद्देश्यों के बारे में चिंता पैदा करता है।

इसके अलावा अधीर रंजन चौधरी ने राज्यसभा नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को समिति से बाहर किए जाने पर दुख जताया। उन्होंने इसे लोकतंत्र प्रणाली का अपमान बताया। उन्होंने कहा कि इन सब परिस्थितियों के कारण मेरे पास आपके निमंत्रण को अस्वीकार करने के अलावा कोई और विकल्प नहीं है।

आठ सदस्यीय समिति में कौन-कौन?

कानून मंत्रालय के मुताबिक, इस समिति का नेतृत्व पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद करेंगे। समिति में गृहमंत्री अमित शाह, कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी, राज्यसभा में विपक्ष के पूर्व नेता गुलाम नबी आजाद, वित्त आयोग के पूर्व अध्यक्ष एनके सिंह, लोकसभा के पूर्व महासचिव सुभाष सी कश्यप, वरिष्ठ अधिवक्ता हरीश साल्वे और पूर्व मुख्य सतर्कता आयुक्त संजय कोठारी शामिल हैं।

विशेष आमंत्रित सदस्य के रूप में भाग लेंगे मेघवाल

एक सरकारी अधिसूचना में कहा गया है कि कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल विशेष आमंत्रित सदस्य के रूप में उच्च स्तरीय समिति की बैठकों में भाग लेंगे। समिति का गठन पांच राज्यों में विधानसभा चुनावों से कुछ महीने पहले और अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव से पहले किया गया है। संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने शुक्रवार को समिति के गठन की जानकारी दी थी।

'एक राष्ट्र-एक चुनाव' पर ओवैसी ने सरकार को घेरा, कहा- लोकतंत्र और संघवाद के लिए त्रासदी होगा

ओवैसी ने सोशल मीडिया पर कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को आगामी विधानसभा चुनावों के कारण घरेलू गैस सिलेंडर के दाम घटाने पड़े। वह एक ऐसा माहौल चाहते हैं, जहां यदि वह चुनाव जीत जाएं तो वह बिना किसी जवाबदेही के अगले पांच साल जनविरोधी नीतियों के साथ निकाल दें।

ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने रविवार को केंद्र सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' की अवधारणा देश में बहुदलीय संसदीय लोकतंत्र और संघवाद के लिए त्रासदी होगी। ऐसा लगता है कि इस पर विचार करने के लिए समिति का गठन बस औपचारिकता है। सरकार पहले ही इस दिशा में आगे बढ़ने का निर्णय ले चुकी है।

ओवैसी ने सोशल मीडिया पर कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को आगामी विधानसभा चुनावों के कारण घरेलू गैस सिलेंडर के दाम घटाने पड़े। वह एक ऐसा माहौल चाहते हैं, जहां यदि वह चुनाव जीत जाएं तो वह बिना किसी जवाबदेही के अगले पांच साल जनविरोधी नीतियों के साथ निकाल दें।

उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने पूर्व राष्ट्रपति को एक समिति का अध्यक्ष नियुक्त कर राष्ट्रपति के उच्च पद की गरिमा घटा दी है। राज्यसभा में विपक्ष के पूर्व नेता को इसमें क्यों शामिल किया गया है? ऐसे किसी प्रस्ताव को लागू करने के लिए भारत के संविधान के कम से कम पांच अनुच्छेदों और कई वैधानिक कानूनों को संशोधित करना पड़ेगा।

क्या है मामला?

इससे पहले शनिवार को एक देश एक चुनाव पर केंद्र सरकार ने आठ सदस्यीय समिति का गठन कर दिया था। कानून मंत्रालय ने इसे लेकर एक अधिसूचना भी जारी की। इसमें कहा गया है कि राष्ट्रीय हित में देश में एक साथ चुनाव कराना वांछनीय है। ऐसे में भारत सरकार एक साथ चुनाव कराने के मुद्दे की जांच करने के लिए उच्च स्तरीय समिति का गठन करती है।

चिन्मय मिशन अमृतसर द्वारा 3 सितम्बर 2023 को 254वा चिन्मय विधवा राशन पेंशन वितरण कार्यक्रम आयोजित

साहिल बेरी

अमृतसर। चिन्मय मिशन अमृतसर केन्द्र के तत्वावधान में दिनांक 3 सितम्बर, 2023 को 254 वाँ चिन्मय विधवा राशन पेंशन मासिक वितरण कार्यक्रम भवन्ज एस. एल. पब्लिक स्कूल अमृतसर में आयोजित किया गया। जिसमें सम्मानित अतिथि के रूप में सुश्री अनीता शर्मा (PRESIDENT AS UK, NGO SOCIETY Amritsar) डॉ जी. एस. मदान जी पत्नी सहित ((A Renowned Oro Dental Surgeon & Philanthropist), श्री प्रशांत मेहरा (Principal, Ajanta Public School Basant Avenue, Amritsar), श्री खुशी लाल खन्ना (A Leading Philanthropist, Amritsar), , श्री कृष्णा सरैया (A Leading Philanthropist, Amritsar) ने उपस्थित हो कर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। इनके अतिरिक्त चिन्मय मिशन अध्यक्ष श्री अविनाश महेन्द्र जी, श्री अरुण कपूर जी. भवन्ज उप प्राचार्या श्रीमती परवीन शर्मा जी, श्रीमती विनीता महेंद्र जी, श्री अनिल सिंघल जी श्री अश्विनी मल्होत्रा जी, श्री अशोक सेठी जी मंच पर उपस्थित रहे।

सर्वप्रथम चिन्मय मिशन अध्यक्ष श्री अविनाश महेंदू जी ने अतिथिजनों एवं मिशन के अन्य पदाधिकारियों सहित दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। ईशवाहन के उपरांत अतिथिजनों का माल्यार्पण कर स्वागत किया गया। इसके पश्चात चिन्मय मिशन अध्यक्ष श्री अविनाश महेंद्र जी ने अतिथिजनों का परिचय कराया, उनका अभिनंदन किया तथा मिशन की इस गतिविधि की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सेवा तो कोई भी कर लेगा लेकिन सदैव उस सेवा के प्रकल्प से जुड़े रहना ताकि वह सेवा निर्विघ्न चलती रहे। यह तो प्रभु के आशीर्वाद के बिना संभव नहीं तो इस जीवन काल में कर्मों पर और सेवा भाव जैसे मूल्यों पर ध्यान देते रहे. साथ ही चिन्मय आश्रम एवं भवन्ज आश्रय के गतिविधियों की विस्तृत जानकारी दी। चिन्मय मिशन सेवा भाव से कभी नहीं रहा, यहाँ तक कि करीना काल में भी बहनों को घरों तक राशन पहुँचाया गया। उन्होंने मिशन के इस सेवा कार्य के 22 वर्ष पूरा होने पर बधाई तथा अपनी शुभकामनाएं दीं।

डॉ जी. एस. मदान जी ने पत्नी सहित बहनों को फाइलें वितरित की और अपने संबोधन में कहा कि भगवान मेरे को ऐसे ही समर्थ बनाए रखे ताकि मैं आगे भी इस तरह के कार्य करता रहूं। श्री प्रशांत मेहरा जी. श्री खुशी लाल खन्ना सुश्री अनीता शर्मा, श्री कृष्णा सरैया जी ने बहनों को फायलें दी और कहा ऐसे भव्य समारोह को देखकर मन खुश हो गया। शायद ही ऐसा कोई प्रोग्राम नॉर्थ इंडिया में होता होगा और अविनाश महेंद्र जी का इस तरह के कार्यक्रम के आयोजन के लिए भूरि-भूरि प्रशंसा की। इसके बाद अतिथिजनों को स्नेहोपहार भेंट किए गए। कार्यक्रम के समापन में श्री अश्विन मल्होत्रा जी ने अतिथिजनों का धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने इस कार्यक्रम के सभी सहयोगी जनों के प्रति आभार प्रकट किया। शांतिमंत्र तथा राष्ट्रगान से कार्यक्रम का समापन हुआ। इसके बाद 250 बहनों को राशन के साथ पैक्ड भोजन भी वितरित किया गया।

भोपाल कलेक्टर आशीष सिंह ने जनसुनवाई की गरिमा को बढ़ाया

भोपाल। प्रत्येक मंगलवार 50 से 60 लोगों से स्वयं रूबरू होते हैं, पात्र व्यक्तियों को नियमों अनुसार राशि का वितरण भी करते हैं 1 लाडली बहन योजना हो या सीखो कमाओ योजना, मतदाता जागरूक सप्ताह हो या मलेरिया डेंगू से बचाव के कार्यक्रम पूरी तरह से उनका शत प्रतिशत समर्पण प्रशंसनीय है 1 विगत दिनों एक आंगनवाड़ी में बच्चियों के साथ जमीन पर बैठकर कलेक्टर ने भोजन भी किया 1 प्रतिदिन लोगों से शालीनता से मिलना सिटीजन फर्स्ट किसे कहते हैं यह कोई कलेक्टर आशीष सिंह से सीखे 1 सादा जीवन उच्च विचार वाले सभ्य एवं साधारण आईएएस अफसर आशीष सिंह को राजधानी की जनता नमन करती है, ऐसा नहीं कि इसके पहले भोपाल में कलेक्टरों ने कार्य नहीं किया निशांत बरबड़े एवं अविनाश लवानिया जैसे काबिल ऑफीसरों ने राजधानी की काफी सेवा की जनता आज भी उन्हें याद करती है 1 मैं एक पत्रकार हूं मैंने अक्सर अपना दायित्व निभाया है कलेक्टर महोदय का समय काफी कीमती रहता है मैंने कभी उनसे ज्यादा बात नहीं की लेकिन शहर की समस्याओं को लेकर बात होती रही कलेक्टर आशीष सिंह का व्यवहार उत्तम है वे सरलता से लोगों से मिलते हैं, सभी वर्गों का आदर करते हैं1

राजधानी महानगर का आकार ले रही है शहर बड़ा होता जा रहा है अब चुनौतियां काफी है आने वाले दिनों में कलेक्टर भोपाल के कंधों पर बड़ी जवाबदारियां हैं राजनीतिक सरगर्मियां तेज हो गई है चुनाव होना है1 वर्तमान मैं कलेक्टर का तालमेल सभी अधिकारियों कर्मचारियों से अच्छा बैठ गया है सभी कार्य सुचारू रूप से एवं समय पर हो रहे, भोपाल के लोग आशीष सिंह को कलेक्टर के रूप में पाकर गदगद है1

ओड़िसा की 5-टी सचीब आईएस श्रिभी के पान्डीयन का हेलीकप्टर खर्चा 500करोड -बीजेपी का साम्बदिक समिलनी

मनोरंजन सासमल , ओड़िसा

भुबनेस्वर। ओडीशा की 5-टी सेक्रेटरी के हेलीकॉप्टर का खर्च देख के होस उड़ाया। जनवरी से जून के बीच हेलीकॉप्टरों पर करीब 500 करोड़ रुपये खर्च किये गये हैं. बीजेपी आरोप लगाती रही है कि हेलीकॉप्टरों पर सरकारी धन अनैतिक तरीके से खर्च किया जा रहा है.

14 मई को 5-टी सचिव भुवनेश्वर से अंगुल गये हैं. कहा जा रहा है कि यह आधिकारिक दौरा था, लेकिन उस दिन कोई आधिकारिक कार्यक्रम नहीं था। वह वहां भाजमो विधायक मुकेश पाल के विवाह समारोह में शामिल होने गये थे. बीजेपी ने सवाल उठाया है कि हेलीकॉप्टर का इस्तेमाल क्यों किया गया. इसी तरह 28 जून को 5-टी सचिव तालचेर गये. भाजपा नेता अनिल बिस्वाल ने कहा, ₹कोई आधिकारिक कार्यक्रम नहीं था, वह स्थानीय विधायक के पारिवारिक समारोह में शामिल होने के लिए वहां गए थे।₹ बीजेपी ने भी कुछ सवाल उठाए हैं. क्या कोई सचिव निजी कार्य के लिए हेलीकॉप्टर का उपयोग कर सकता है? क्या सरकारी धन का दुरुपयोग नहीं होता? बीजेपी ने पूछा.

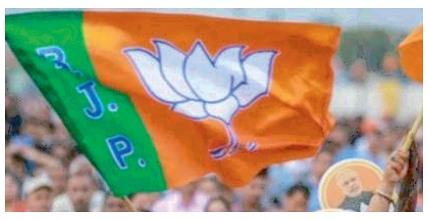

चुनाव से पहले उमा भारती ने बनाई नई संस्था, कहा- बीजेपी उम्मीदवारों को वोट देने से पहले उनसे 2 वचन लें

मध्यप्रदेश विधानसभा चुनाव से पहले उमा भारती की घोषणा ने बीजेपी की टेंशन बढ़ा दी है। उमा भारती ने कहा कि मैं बीजेपी को फिर से सत्ता में लाने के लिए मेहनत करूंगी। लेकिन बीजेपी उम्मीदवार को वोट देने से पहले उनसे यह वचन लें कि वो किसी तरह की फिजूलखर्ची नहीं करेंगे।

भोपाल। मध्यप्रदेश विधानसभा चुनाव से पहले बीजेपी की सीनियर लीडर और एमपी की पूर्व सीएम उमा भारती ने एक नया संस्था बनाया है। उमा भारती ने अपने सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी खुद दी है। उमा ने कहा कि मेरी मां स्वर्गीय बेटी बाई के नाम पर 'माता बेटी बाई वेलफेयर' के नाम से संस्था बनाई है। जिसका पहला कार्यक्रम दुर्गा हनुमान मंदिर भोपाल में वृक्षारोपण करके प्रारंभ हुआ। उमा भारती ने कहा कि हम इस संस्था के माध्यम से सेवा कार्य करते रहेंगे। इसके साथ ही उमा भारती ने कई ऐसे मुद्दे भी उठाए हैं जो बीजेपी के लिए मुश्किलें खड़ी कर सकती हैं।

उमा भारती ने कहा कि मध्यप्रदेश में शराबबंदी के अभियान की यही से शुरुआत की थी इसलिये शिवराज जी का धन्यवाद एवं अभिनंदन किया। बता दें कि उमा भारती लंबे समय से शराबबंदी की मांग उठा रही हैं। उमा की मांग के बाद ही राज्य में नई शराब नीति लागू की गई थी जिसके बाद प्रदेश में सभी बार बंद करने का फैसला किया गया था।

बीजेपी उम्मीदवारों से लें वचन

उमा भारती ने कहा कि आज एक प्रकार से भाजपा का चुनाव अभियान शुरू हो गया है। उमा भारती ने कहा कि मध्यप्रदेश की जनता भी यह तय कर ले की हम भाजपा की ही सरकार बनायेंगे लेकिन गांधी जी, पंडित दीनदयाल जी एवं मोदी जी के आदर्शों पर चलने के लिए भाजपा को विवश करेंगे। भाजपा की ही सरकार बनेगी। मैं फिर इसके लिए मेहनत करूंगी। लेकिन मैं प्रदेश की माता बहनों एवं सभी से अनुरोध करती हूं की वोट भाजपा को ही दे लेकिन हर उम्मीदवार से यह वचन ले की सरकारी स्कूल एवं सरकारी अस्पताल में ही अपने परिवार एवं अपना इलाज करायेंगे तथा अपने बच्चों को पढ़ायेंगे।

फिजूल खर्च नहीं करेंगे बीजेपी नेता

उमा भारती ने कहा कि कोई भी भाजपा का नेता, कार्यकर्ता शादी में फिजूल खर्चा नहीं करेगा। हमारे प्रधानमंत्री मोदी जी की यही गाइडलाइन है। 5 स्टार होटलों में नहीं रुको, कही भी फिजूल खर्ची मत करो। मोदी जी हमारे आदर्श हैं, हमारे मसीहा हैं। उमा भारती ने अंत में कहा कि भाजपा के सिद्धांत एवं भाजपा का झण्डा अमर रहे। मोदी जी का राज अखंड रहे।

वायरल चिकनगुनिया ने पूरे जिले में हाहा कार मचा रखी है। हर परिवार से लगभग सभी सदस्य इसकी चपेट में हैं, नोवा मेडिसिटी के संचालक डॉ. चेतन शर्मा

अमृतसर (साहिल बेरी)

इस विषय पर विशेष वार्तालाप करते हुए न्यू अमृतसर गेट के नजदीक स्थित अस्पताल नोवा मेडिसिटी के संचालक डॉ. चेतन शर्मा ने बताया कि इस समय जिले में चिकनगुनिया व डेंगू के मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है। सारा शहर में बीमारियों के कहर से कांप रहा है। रोजाना सैकड़ों मामले विभिन्न अस्पतालों आ रहे हैं। डॉ. शर्मा ने बताया कि अभी फिलहाल इन बीमारियों से शहरवासियों को राहत मिलने की संभावना कम है। इस बीमारी के लिए मुख्य रूप से जिम्मेवार 'एडीज इजिप्टी' मच्छर 16 डिग्री तापमान तक जिंदा रहता है। इस समय शहर का तापमान उस स्तर तक पहुंचने में तापमान काफी समय लगेगा, फिर जैसे-जैसे तापमान में गिरावट आएगी तो यह मच्छर खुद-ब-खुद मर जाएगा परंतु तब तक सभी शहरवासी मुसीबत से घिरे रहेंगे। प्रशासन का लापरवाह रवैया लोगों की परेशानी के लिए मुख्य रूप से जिम्मेवार है, अगर समय रहते मच्छर मार दवाइयों का छिडक़ाव या फागिंग कार्रवाई होती तो हालात इतने बदतर न होते। शहर की स्वास्थ्य विभाग टीमें अभी तक लारवा नष्ट करवाने में सफल नहीं हो सकी। लोगों को पूरी तरह से इन बीमारियों के कारणों, लक्षणों व बचाव बारे जागरूक नहीं करवाया जा सका। डॉ. शर्मा के अनुसार इसके मुख्य लक्षणों में तेज बुखार सिर दर्द मांसपेशियों व जोड़ों में दर्द थकावट महसूस होना चमड़ी पर दाने निकल आना हालत खराब होने की स्थिति में नाक, मुंह व मसूड़े से खून का बहना आंखों के पिछले हिस्से में दर्द उल्टियां होते हैं। डॉ. चेतन शर्मा ने कहा कि इस समय सरकार को इस ओर पूरा ध्यान देने की आवश्यकता है ताकि शहर वासी इस मुसीबत से उभर कर अच्छा सेहतमंद जीवन व्यतीत कर सके। वहीं उन्होंने लोगों से भी अपील की कि वह छत पर रखी पानी की टंकियों के ढक्कनों को पूरी तरह से बंद करके रखें, घर के आसपास पानी खड़ा ना होने दे, जहां तक हो सके मच्छर भगाने वाली क्रीम का प्रयोग करें, टूटे, बर्तनों, टायरों, को खुले में ना रखें, घर के फ्रिज की ट्रे, गमले कलर या फिर कहीं पर भी अगर पानी खड़ा होने की संभावना हो तो हफ्ते में कम से कम एक बार उसे जरूर साफ करें।

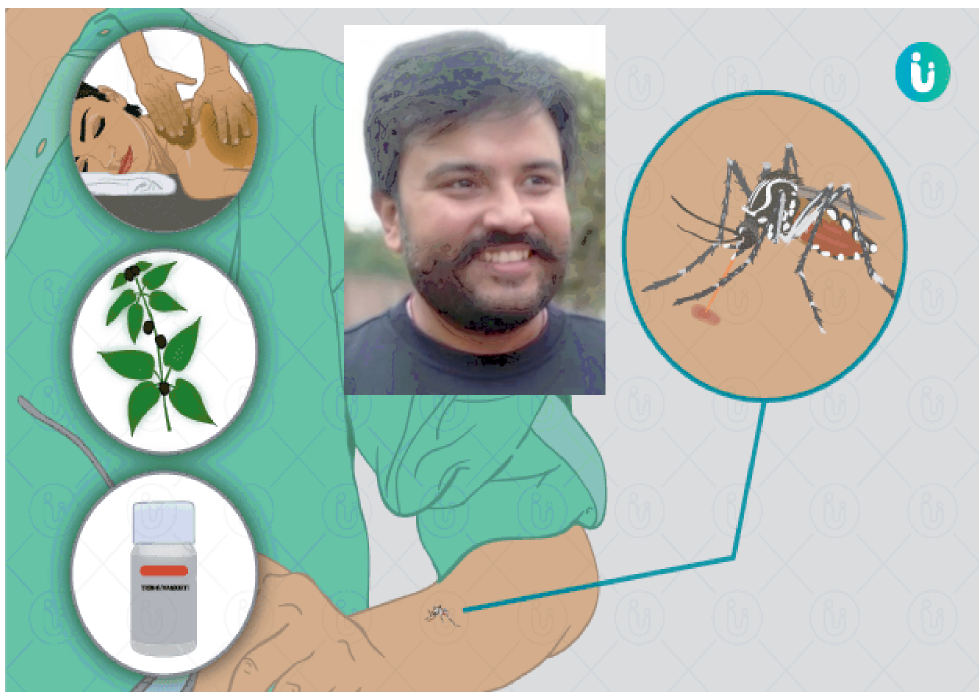

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक संजय कुमार बाटला द्वारा इम्प्रेशंस प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18,19,20 सेक्टर 59, नोएडा (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 3, प्रियदर्शनी अपार्टमेंट ए-4, पश्चिमी विहार, नई दिल्ली- 110063 से प्रकाशित। सम्पर्क : 9212122095, 98117320959.
किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली के न्यायालय में ही होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित किये गये मसौदे के लिए संपादक जिम्मेदार हैं। Title Code : DELHIN28985. DCP Licensing Number F.2 (P-2) Press/2023